उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः8 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 23 मार्च-2026

अंदर के पृष्ठ पर

20 साल से लंबित नाली विवाद सुलझा, डीएम के निर्देश पर मौके पर कराई गई खुदाई 8

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को मिली जान से मारने की धमकी 5

युद्ध के बढ़ते खतरे पर पीएम की बड़ी बैठक

एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बना मास्टर प्लान

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने देश की ऊर्जा सुरक्षा की समीक्षा करते हुए तेल-गैस की निर्बाध सप्लाई के लिए एक एक्शन प्लान तैयार किया है, जिसमें जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत की स्थिति की समीक्षा की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देश में पेट्रोल, कच्चा तेल, गैस, बिजली और खाद जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई को बिना किसी रुकावट के जारी रखना है। प्रधानमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत कैबिनेट के कई वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि वह वैश्विक हालातों पर नजर रखते हुए देश की ऊर्जा सुरक्षा और आम जनता के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रही है।

गैस और ईंधन की किल्लत दूर करने के लिए कड़े कदम

देश में घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों की सप्लाई को सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। घबराहट में की जाने वाली बुकिंग में अब कमी आई है। सरकार ने राज्यों के लिए कमर्शियल गैस का कोटा बढ़ा दिया है, जिसमें अस्पताल और शिक्षण संस्थानों को प्राथमिकता दी जा रही है।

साथ ही, घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं को नए पाइप वाली गैस कनेक्शन देने में तेजी लाने की सलाह दी गई है।

गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए देशभर में लगातार छापेमारी की जा रही है। राहत की बात यह है कि अमेरिका के टेक्सास से रसोई गैस लेकर एक बड़ा जहाज मंगलुरु बंदरगाह पहुंच चुका है, जिससे सप्लाई में सुधार होगा।

समुद्री रास्तों पर तनाव

यह समीक्षा बैठक ऐसे समय में हुई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्तों पर युद्ध के कारण तनाव चरम पर है। 28 फरवरी को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद से इलाके में संघर्ष काफी बढ़ गया है,

जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर पड़ा है। औद्योगिक डीजल की कीमतों में 25 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है और यह 109.59 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है।

हालांकि, जहाजरानी मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि खाड़ी क्षेत्र में मौजूद सभी 22 भारतीय जहाज और 611 नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। सरकार ने दोहराया है कि भारतीय समुदाय की सुरक्षा और देश की आर्थिक स्थिरता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राज ठाकरे की पीएम मोदी को चेतावनी

ईरान का साथ न देने की बड़ी भूल पड़ेगी भारी

» मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने ईरान को समर्थन न देने पर केंद्र की विदेश नीति की आलोचना करते हुए चेतावनी दी कि एक पुराने सहयोगी को नजरअंदाज करने से भारत को गंभीर कूटनीतिक और आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने ईरान को केंद्र सरकार के समर्थन की कमी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ईरान भारत का लंबे समय से सहयोगी रहा है, खासकर जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील मुद्दे पर। उन्होंने चेतावनी दी कि एक भरोसेमंद सहयोगी का साथ न देने से भारत को गंभीर कूटनीतिक और आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का अधिकांश तेल ईरान से आता है और ईरान ने इसे रुपयों में आपूर्ति की है।

उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज पार्क में गुड़ी पड़वा के अवसर पर दिए अपने भाषण में कहा कि जब ईरान पर हमला हुआ, तो हमारे प्रधानमंत्री ने समर्थन में एक भी बयान जारी नहीं किया। खामेनेई के निधन के बाद भी शोक या विरोध का कोई आधिकारिक संदेश नहीं आया। एमएनएस की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर ठाकरे ने इस उपलब्धि को ÷दिव्य संकेत÷ बताया और विश्वास व्यक्त किया कि उनकी पार्टी अंततः सत्ता में आकर महाराष्ट्र की खोई हुई शान को पुनर्स्थापित करेगी।

अपने विस्तृत भाषण में उन्होंने राज्य के बढ़ते कर्ज, बिगड़ते शहरी बुनियादी ढांचे के बारे में बात की और ईरान-इजराइल संघर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की कड़ी आलोचना की। बृहन्मुंबई नगर निगम चुनावों में एमएनएस की करारी हार के बाद यह उनका पहला भाषण था, जबकि उन्होंने मराठी गौरव और मराठी मानुष के हितों की रक्षा के मुद्दों पर अपने चचेरे भाई और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ हाथ मिलाया था।

घरेलू मामलों की ओर मुड़ते हुए, ठाकरे ने महाराष्ट्र की वित्तीय स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के कार्यकाल में 2014 में राज्य का कर्ज लगभग 2 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और विकास की बात करते हैं, लेकिन राज्य कर्ज में डूब रहा है। उन्होंने तटीय सड़क जैसी बड़े पैमाने की अवसंरचना परियोजनाओं की आलोचना करते हुए दावा किया कि ये आम नागरिकों के लिए नहीं बल्कि बाहरी लोगों और अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों को महाराष्ट्र में जमीन हथियाने में सक्षम बनाने के लिए बनाई गई हैं।

रंधावा आत्महत्या मामले में पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर समेत 3 के खिलाफ केस दर्ज

» मामले में घिरने के बाद कल दिया था भुल्लर ने भगवंत मान मंत्रिमंडल से इस्तीफा

» बीपीएस न्यूज

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पंजाब वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन अमृतसर में तैनात जिला मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा की आत्महत्या के मामले में पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यह मामला अमृतसर के थाना रंजीत एवेन्यू में देर रात दर्ज किया गया, जो मृतक की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत के आधार पर दर्ज हुआ है। पुलिस ने इस केस में लालजीत सिंह भुल्लर, उनके पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और उनके पीए दिलबाग सिंह को नामजद किया है।

गौरतलब है कि जिला मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा ने आत्महत्या से पहले लालजीत सिंह भुल्लर पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। मामले की जानकारी मिलते ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भुल्लर से कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा ले लिया था और जांच पंजाब के मुख्य सचिव को सौंप दी थी। अब इस मामले में केस भी दर्ज कर लिया गया है।

इस बीच, मृतक के परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर विपक्षी दलों ने आज चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन में भाजपा, शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के नेता शामिल होंगे।

यह फैसला अमृतसर के थाना रंजीत एवेन्यू में पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और अकाली नेता बिक्रम सिंह मजीठिया द्वारा संयुक्त रूप से लिया गया।

मिसाइल हमलों पर नेतन्याहू की चेतावनी, कहा- ईरान दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा

» बीपीएस न्यूज

यरूशलम।इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में, ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है। सौभाग्य से कोई मारा नहीं गया, लेकिन यह भाग्य की बात है, उनकी मंशा की नहीं। उनकी मंशा नागरिकों की हत्या करने की थी।

उन्होंने ईरान द्वारा डिएगो गार्सिया पर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) से किए गए हमलों का हवाला देते हुए कहा कि यह 4,000 किलोमीटर की दूरी है। मैं लगातार चेतावनी दे रहा था। अब उनके पास यूरोप के अंदरूनी हिस्सों तक मार करने की क्षमता है। वे पहले ही यूरोपीय देशों (साइप्रस) पर हमले कर चुके हैं। वे सभी को अपने निशाने पर ले रहे हैं। इजराइल गत दो दशकों से ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर दुनिया को आगाह करता रहा है। उसकी दलील है कि परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम ये मिसाइलें न केवल उसके लिए बल्कि यूरोप के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करेंगी।

ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप पर स्थित ब्रिटेन-अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइलें दागीं। नेतन्याहू ने यरूशलम में तीन एकेश्वरवादी धर्मों के पवित्र स्थलों-यहूदियों के लिए पवित्र पश्चिमी दीवार, ईसाईयों के लिए पवित्र चर्च और मुस्लिमों के लिए पवित्र अल अक्सा मस्जिद के ठीक बगल में ईरान के हमले को रेखांकित करते हुए कहा, एक बार फिर, चमत्कारिक रूप से कोई भी घायल नहीं हुआ। फिर भी तीनों स्थल निशाने पर थे। ईरान द्वारा दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल का मलबा शुक्रवार को अल-अक्सा मस्जिद और पश्चिमी दीवार के काफी करीब गिरा।

नेतन्याहू ने कहा कि ईरान समुद्री अंतरराष्ट्रीय मार्ग, ऊर्जा मार्ग को अवरुद्ध कर रहा है और पूरी दुनिया को ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा है। इस बात का और क्या सबूत चाहिए कि पूरी दुनिया को धमकाने वाले इस शासन को रोकना होगा? इजराइल और अमेरिका पूरी दुनिया के हित में मिलकर काम कर रहे हैं। नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ईरान के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हो रही है कि उनमें से कुछ ने उस दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है।

हालांकि, इजराइली प्रधानमंत्री ने दावा किया कि और अधिक करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस आतंकवादी, कट्टरपंथी शासन का सामना करने का आह्वान न केवल अमेरिका और इजराइल की सुरक्षा के लिए है, बल्कि पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए है। अब उनके लिए कार्रवाई करने का समय आ गया है। नेतन्याहू ने संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि इजराइल इन हमलों का जवाब पूरी ताकत से दे रहा है, लेकिन ईरानी नागरिकों को निशाना नहीं बना रहा है।

हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया पर ईरानी मिसाइल हमला नाकाम

ब्रिटेन की कड़ी निंदा

» बीपीएस न्यूज

दुबई। ब्रिटेन ने हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया द्वीप स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी हवाई सैन्य प्रतिष्ठान पर ईरान की सेना द्वारा मिसाइलें दागे जाने की निंदा की है। ब्रिटिश अधिकारियों ने असफल हमले के प्रयास का विवरण नहीं दिया है। यह स्पष्ट नहीं है कि मिसाइलें सैन्य अड्डे के कितने करीब पहुंचीं, जो ईरान से लगभग 2,500 मील (4,000 किलोमीटर) दूर है।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि ईरान द्वारा पूरे क्षेत्र में हिंसक हमले करना और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंधक बनाए रखना, ब्रिटिश हितों एवं ब्रिटिश सहयोगियों के लिए खतरा है।ब्रिटेन ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों में शामिल नहीं हुआ है, लेकिन उसने अमेरिकी बमवर्षकों को ईरान के मिसाइल स्थलों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के ठिकानों का उपयोग करने की अनुमति दी है। शुक्रवार को ब्रिटिश सरकार ने कहा कि अमेरिकी बमवर्षक विमान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर ईरान के हमलों को रोकने के अभियानों में डिएगो गार्सिया सहित ब्रिटेन के ठिकानों का भी उपयोग कर सकते हैं। ईरान ने ब्रिटेन के इस बयान से पहले ही संबंधित सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना बनाया।

होर्मुज स्ट्रेट पर 22 देशों का संयुक्त बयान, ईरान से हमले रोकने और मार्ग खोलने की अपील

चंडीगढ़। संयुक्त अरब अमीरात में ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल संघर्ष के बीच, ओमान के मुसंदम शासन की सीमा के पास उत्तरी रास अल-खैमाह से खाड़ी में, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक मालवाहक जहाज दिखाई दे रहा है। बयान में कहा गया है कि ये देश खाड़ी क्षेत्र में बिना हथियार वाले कमर्शियल जहाजों पर ईरान के हालिया हमलों, तेल और गैस प्रतिष्ठानों सहित नागरिक ढांचे पर हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। साथ ही ईरानी सेना द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद करने की कार्रवाई पर भी गंभीर चिंता जताई गई है। संयुक्त बयान में कहा गया, ÷हम बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और ईरान से अपील करते हैं कि वह अपनी धमकियां, समुद्र में माइंस बिछाने, ड्रोन और मिसाइल हमले तथा कमर्शियल शिपिंग को रोकने के प्रयास तुरंत बंद करे।देशों ने ईरान से अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 का सम्मान करने को भी कहा है। बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला रहना बेहद महत्वपूर्ण है।

70 के खाने में 15 रुपये एक्सट्रा: रेस्टोरेंट बिल में जुड़ा एलपीजी चार्ज

सोशल मीडिया पर आई बिलों की बाढ़

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। बढ़ती एलपीजी संकट के बीच अब रेस्टोरेंट, होटल और ढाबों के बिल में एलपीजी चार्ज जोड़ने का मामला सामने आने लगा है, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है।

बढ़ती एलपीजी संकट के बीच अब रेस्टोरेंट, होटल और ढाबों के बिल में एलपीजी चार्ज जोड़ने का मामला सामने आने लगा है, जिससे उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे एक्स (ट्विटर), फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ऐसे कई बिलों की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें खाने के कुल बिल के साथ 10 से 15 प्रतिशत तक एलपीजी चार्ज अलग से जोड़ा गया है। 70 के खाने पर 15 रुपये का चार्ज वायरल हो रही तस्वीरों में देखा जा सकता है कि जहां एक ओर खाने की कीमत 70 रुपये है, वहीं उस पर 15 रुपये तक एलपीजी चार्ज के रूप में जोड़े गए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले से ही बढ़ती कीमतों के कारण बाहर खाना महंगा हो चुका है, ऐसे में इस तरह के अतिरिक्त शुल्क लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ा रहे हैं।

होटल और रेस्टोरेंट कारोबार पर असर पड़ा

हाल के समय में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के न मिलने और ब्लैक से खरीदने पर बढ़ोतरी का सीधा असर होटल और रेस्टोरेंट कारोबार पर पड़ा है। इसी के चलते कुछ प्रतिष्ठान अपने खर्च को संतुलित करने के लिए यह अतिरिक्त चार्ज ग्राहकों से वसूल रहे हैं। पहले ही खाना महंगा है, अब अलग से एलपीजी चार्ज जोड़ना सही नहीं है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। अगर लागत बढ़ रही है तो उसे मेन्यू में शामिल किया जाए, लेकिन बिल में अलग से चार्ज लगाना है।

लंदन जाने के लिए कोहली ने चार्टर्ड प्लेन की मांग?

नई दिल्ली। भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी से बड़ी मांगें रखने की खबरों पर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि कोहली ने सीजन के बीच लंदन जाने के लिए फ्रेंचाइजी से चार्टर्ड प्लेन की मांग की है। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि कोहली ने फ्रेंचाइजी से कहा है कि अगर मैचों के बीच तीन दिन का फासला हुआ तो वह लंदन जाएंगे और मैच से पहले वापस आ जाएंगे। अब विराट ने इस खबर पर प्रतिक्रिया दी है और इसे खारिज कर दिया है। कोहली ने हालांकि, जिस तरह इस खबर को लेकर प्रतिक्रिया दी है वो वायरल हो गई है।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को चैत्र नवरात्र की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक
(बी.पी.साहू)
मो-8423454502,
व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय .....

बंद हो मैला सफाई की अमानवीय प्रथा

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निर्देशों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है।निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं। हालांकि सरकारी दावा है कि सफाई का काम व्यवसाय पर आधारित है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सदियों से हाशिये पर पड़े समुदायों के श्रमिकों के बूते ही सफाई व्यवस्था चलायी जा रही है। निस्संदेह, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था का दावा करने वाले समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी नागरिक को अमानवीय परिस्थितियों में काम करने के लिये बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। श्रम की गरिमा के सवाल का जबाव महज एक नारे से हासिल नहीं किया जा सकता।

इच्छामृत्यु की अनुमति के बावजूद बाकी सवाल

निरंजन भंडारी

इच्छामृत्यु के विरोध में जो तर्क है, उसके अनुसार जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, उसमें मानवीय हस्तक्षेप गलत है। इच्छामृत्यु के अधिकार का दुरुपयोग होने का खतरा भी है। डॉक्टर 'किलर' बन जाएंगे। कोमा में पड़े लोगों को व्यर्थ समझ लिया जाएगा।ग़ाज़ियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में शिफ्ट कर दिया गया है। इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को पूरा होने में कई सप्ताह लग सकते हैं, क्योंकि इसमें कई चरण शामिल हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया की व्यावहारिकता से जुड़े कई सवाल अभी हैं, पर अब बहस एक्टिव इच्छामृत्यु यानी दवा देकर या किसी दूसरे तरीके से मृत्यु देने पर भी होगी। सबसे बड़ी ज़रूरत इस बात की है कि संसद इस विषय पर कानून बनाए। 2018 और 2026 के फैसलों के बावजूद संसद ने अभी तक समग्र कानून नहीं बनाया। कोर्ट ने कई बार विधायिका से कानून बनाने की अपील की है।पैलिएटिव केयर में ऐसी चिकित्सा देखभाल होती है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज को आराम देना और बीमारी को पूरी तरह ठीक करने के बजाय मरीज के दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घबराहट, बेचैनी या अन्य शारीरिक-मानसिक परेशानियों को कम करने पर ध्यान दिया जाता है।

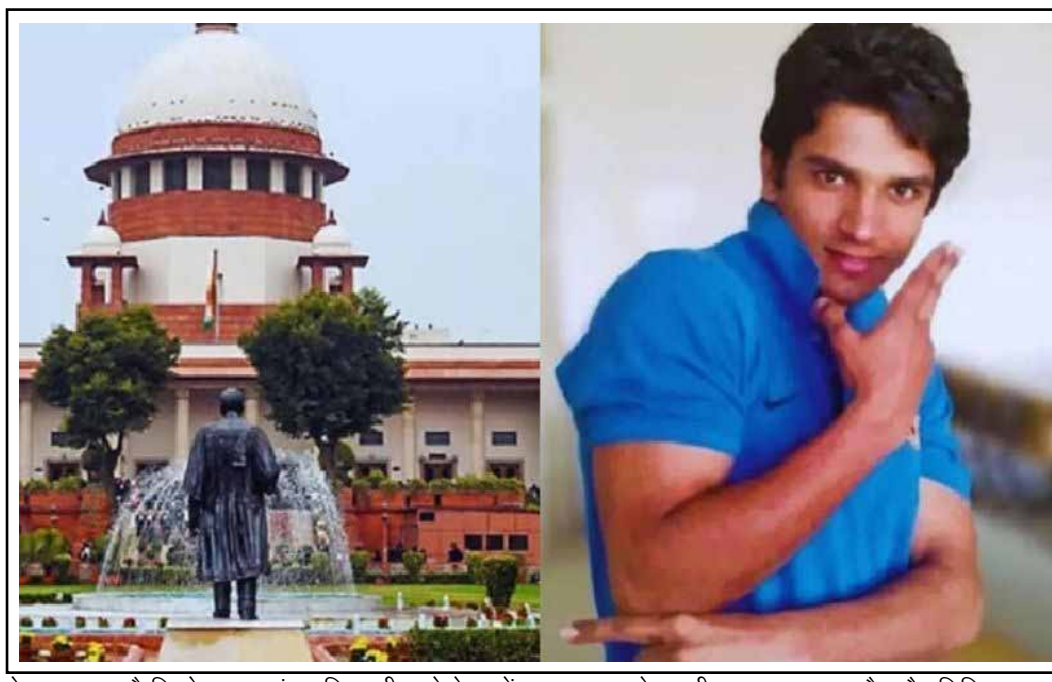

सक्रिय इच्छामृत्यु मृत्यु का एक नया कारण उत्पन्न करती है; निष्क्रिय इच्छामृत्यु पहले से ही चल रही प्राकृतिक मृत्यु में बाधा को दूर करती है। एक मृत्यु का कारण बनती है; दूसरी मृत्यु को स्वाभाविक रूप से होने देती है। एक्टिव इच्छामृत्यु यानी दवा या किसी दूसरे तरीके से मौत देना पूरी तरह अवैध है।प्रश्न है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत 'जीने के अधिकार' में 'गरिमापूर्ण मरने का अधिकार' शामिल है या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने हां कहा है, लेकिन सीमित परिस्थितियों में। हरीश राणा केस के फैसले के बाद भी, यह बहस अभी अपूर्ण है। इच्छामृत्यु के विरोध में जो तर्क है, उसके अनुसार जीवन ईश्वर का दिया हुआ है, उसमें मानवीय हस्तक्षेप गलत है। इच्छामृत्यु के अधिकार का दुरुपयोग होने का खतरा भी है। डॉक्टर 'किलर' बन जाएंगे। कोमा में पड़े लोगों को व्यर्थ समझ लिया जाएगा। कैथलिक चर्च, कई हिंदू संगठन और इस्लामी विद्वान इसे जीवन के खिलाफ मानते हैं।

यदि इसे लागू भी किया जाए, तो देश में अच्छी पैलिएटिव केयर बहुत कम है, इसलिए कई लोग इच्छामृत्यु को 'आखिरी विकल्प' मानते हैं। इस समय बहस का केंद्र बिंदु यही है कि पैसिव इच्छामृत्यु को और सुगम बनाया जाए या नहीं, जबकि एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने की मांग अभी बहुत कमजोर है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि केवल असंभव रिकवरी वाले केस में, सख्त मेडिकल बोर्ड और न्यायिक देखरेख के साथ ही इसकी अनुमति देने पर विचार संभव है। बहुत से विशेषज्ञ मानते हैं कि असली समाधान बेहतर पैलिएटिव केयर की व्यवस्था को मजबूत करने में है, न कि जल्दबाजी में एक्टिव इच्छामृत्यु को वैध करने में।

वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद से हरीश अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं, और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गत 11 मार्च को उनके मामले में, पैसिव इच्छामृत्यु की अनुमति देकर भारत में पहली बार इस अधिकार के व्यावहारिक इस्तेमाल की अनुमति दी है। अदालत ने 2018 में इसे संवैधानिक अधिकार मान लिया था।

हरीश राणा के माता-पिता की याचिका को, पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने और फिर उच्चतम न्यायालय ने खारिज कर दिया था। 2025 में उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले पर पुनर्विचार किया और यह निर्णय सुनाया। यह मामला 2018 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थापित और 2023 में सरलीकृत कानूनी ढांचे और इन दिशानिर्देशों को लागू करने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों को उजागर करता है।विशेषज्ञ सक्रिय और निष्क्रिय इच्छामृत्यु के बीच अंतर पर और भारत में मजबूत देखभाल अवसंरचना की आवश्यकता पर भी चर्चा करते हैं। जटिल समस्या यह नहीं है कि कानून किस बात की अनुमति देता है, बल्कि यह है कि रोगी, जब स्वयं बोलने में असमर्थ हो, तो कौन और किस आधार पर निर्णय कर सकता है। स्वस्थ दिमाग वाला वयस्क किसी भी चिकित्सा उपचार को अस्वीकार कर सकता है, और चिकित्सक को उस अस्वीकृति का सम्मान करना होता है। ज्यादा मुश्किल मामला अनैच्छिक मृत्यु का है। ऐसा रोगी जो स्थायी रूप से कोमा में है, जिसका अस्तित्व पूरी तरह से चिकित्सा तकनीक पर निर्भर है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की दो-न्यायाधीशों की पीठ के इस फैसले को पूरी तरह से समझने के लिए, 2011 में अरुणा शानबाग के मामले से लेकर 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ मामले में संवैधानिक फैसले तक की कड़ी को जोड़ना आवश्यक है। अरुणा रामचंद्र शानबाग मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में नर्स थीं, जिनका 27 नवंबर, 1973 की रात को एक वार्ड अटेंडेंट ने गला घोंट दिया था। गला घुटने से उनके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई थी। लगभग 42 वर्षों तक वे उसी अस्पताल में अचेत अवस्था में रहीं और 2015 में उनकी स्वाभाविक मृत्यु हो गई।2011 में, सर्वोच्च न्यायालय में उनकी जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की अनुमति देने के लिए याचिका दायर की गई थी। दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपने फैसले में याचिका खारिज कर दी, लेकिन भारतीय कानून में पहली बार परोक्ष इच्छामृत्यु के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए। अदालत ने दयामृत्यु को अस्वीकार करने के पीछे सबसे बड़ा कारण यह बताया कि मुंबई के केईएम अस्पताल की नर्सें और अन्य कर्मचारी अरुणा को मरने देना नहीं चाहते। इन नर्सों ने 37 साल से अरुणा की पूरी जिम्मेदारी ले रखी थी। नर्सों के जीवन में अरुणा का एक मतलब हो गया था।

निजी स्कूलों में लूट का मुद्दा: रीएडमिशन

महंगी किताबो और मोटी वसूली का नया सत्र फिर शुरू

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

मार्च और अप्रैल का महीना निजी स्कूलों के लूट और कमाई का जरिया बन जाता है। री-एडमिशन के नाम पर अभिभावकों से मोटी फीस वसूली जाती है। वाहन सुविधा के नाम पर जर्जर वाहन बिना मानक के वर्षो पुराने वैन और बसें और खुद के कैम्पस में महंगी किताबें और कापियाँ। हर साल यह शोर उठता है और दब जाता है। इसका सबसे ज्यादा बोझ मिडिल क्लास परिवारों पर पड़ रहा है। हर साल दोबारा एडमिशन के नाम पर हजारों रुपये देने पड़ते हैं। और हर साल पूरा नया बुक चेंज कर कर के लाखो का घोटाला किया जा रहा। जिस पर सीबीएससी भी चुप है और सरकार भी खामोश है। गरीब हो या अमीर सब को लूटा जा रहा है निजी स्कूल प्रबंधन द्वारा। हर साल आपके स्कूलों मे पुरे के पुरे बुक चेंज कर दिए जाते है कॉपी तक कैम्पस में बेची जाती है । हैरानी की बात यह है कि इस मुद्दे पर कोई भी नेता कोई मंत्री आगे नहीं आ रहा है सभी अपने काम से मतलब रख रहे हैं, जिससे अभिभावकों में नाराज़गी बढ़ती जा रही है।

शिक्षा माफियाओं के खिलाफ मोर्चा खोला जाना अनिवार्य सा होता जा रहा। नेप लागू है, एनसीआरटी कोर्स लागू है पर तब भी निजी प्रकाशको की किताबें चलवाई जा रही। हर स्कूल का अपना सिलेबस अपनी किताब है। और महंगी इतनी की बस कमीशन का खेल। उत्तर प्रदेश में लगातार शिक्षा के नाम पर पिछड़ रहा और इसके पीछे का जिम्मेदार निजी स्कूलों की मनमानी है। जो हर साल जारी हैं। इस पर कोई सांसद मंत्री ध्यान नहीं दे रहा है, लेट फीस के नाम पर लूट, पढ़ाई के नाम पर लूट, ट्रांसपोर्टसन के नाम पर लूट ! उत्तर प्रदेश में जिन स्कूलों में निजी प्रकाशन कोर्स चल रहा है उन स्कूलों पर कार्यवाही की जाए, जिससे पढ़ाई के नाम पर बच्चों के अभिभावकों की जेब न काटी जाए।

शिक्षा के नाम पर बच्चों के अभिभावकों को लूटना बंद हो इसके लिए कई बार अभियान चला, हर साल हंगामा होता है। शिक्षा का मंदिर या व्यापार का अड्डा यह सवाल बना हुआ है ? स्कूलों की मनमानी और स्टेशनरी की लूट के खिलाफ आवाज़ बुलंद करेने वालों को धमकियाँ भी मिलती रही है। हर साल नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों के सामने वही सवाल खड़ा हो जाता है —

जब बच्चा उसी स्कूल में पढ़ रहा है, क्लास आगे बढ़ रही है, तो फिर फरी-एडमिशन फीसफ किस बात की ली जाती है ? इसी मुद्दे को लेकर सांसद राघव चड्ढा ने एक बार फिर आवाज उठाई है। उनका कहना है कि स्कूलों द्वारा हर साल ली जाने वाली दोबारा एडमिशन फीस अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालती है और इसकी पारदर्शिता पर सवाल उठने चाहिए। अभिभावकों की दलील भी जायज है जिसके अनुसार बच्चा स्कूल बदल नहीं रहा। नया इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं जुड़ रहा। फिर हर साल एडमिशन फीस क्यों ? मध्यवर्गीय परिवारों के लिए यह फीस छोटी नहीं होती। ट्यूशन फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, ट्रांसपोर्ट — पहले ही खर्चों की लंबी सूची है। ऐसे में फरी-एडमिशनफ नाम से लिया जाने वाला शुल्क कई घरों का बजट बिगाड़ देता है।

निजी स्कूलों का पक्ष यह कि कई निजी स्कूलों का तर्क है कि यह फीस प्रशासनिक खर्च, रिकॉर्ड अपडेट, नई कक्षा की तैयारी और अन्य व्यवस्थाओं के लिए ली जाती है। उनका कहना है कि सालाना प्रक्रिया में संसाधन लगते हैं, इसलिए शुल्क जरूरी है। क्या संसद में नही उठना चाहिए यह मुद्दा ? यही बड़ा सवाल है — क्या यह मामला संसद के स्तर का है? तर्क 'हाँ' में क्यूंकि शिक्षा एक मौलिक अधिकार और सार्वजनिक महत्व का विषय है। देशभर के लाखों परिवार इसकी मनमानी से प्रभावित होते हैं। फीस संरचना में पारदर्शिता लाने के लिए राष्ट्रीय स्तर की बहस जरूरी हो सकती है क्यूंकि निजी स्कूल टीचरों को नाम मात्र की सैलरी वो भी केवल दस माह का देकर बच्चों से पूरे बारह माह की फीस वसूलते है।

क्या निजी स्कूल ठीक करते है तो तर्क 'नहीं' में क्यूंकि सैलरी और स्कूल फीस का मामला अक्सर राज्य सरकारों और शिक्षा विभाग के अधिकार क्षेत्र में आता है निजी संस्थानों की नीतियों में केंद्र का सीधा हस्तक्षेप सीमित होता है। यह मुद्दा व्यापक है और देशभर के अभिभावकों को प्रभावित कर रहा है, तो संसद में चर्चा से पारदर्शिता और नीति-निर्माण की दिशा मिल सकती है। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि राज्यों के स्तर पर फीस नियमन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।आखिर सवाल सिर्फ एक फीस का ही नहीं सवाल है शिक्षा को बोझ नहीं, अधिकार बनाए रखने का भी है। आज शिक्षा के नाम पर जो खुलेआम लूट मची है उस पर हम सबको मिलकर विचार करने की जरूरत है। निजी स्कूलों का काम बच्चों को अच्छी शिक्षा देना है लेकिन आज ये स्कूल पूरी तरह से व्यापार का केंद्र बन चुके हैं।

हर साल शिक्षा बोर्ड और शिक्षा मंत्री की तरफ से बड़े-बड़े दावे और घोषणाएं की जाती हैं कि निजी स्कूल परिसर के अंदर कोई भी व्यावसायिक गतिविधि नहीं चलेगी और कोई भी स्कूल कॉपी, किताबें, स्कूल बैग या ड्रेस नहीं बेचेगा। लेकिन अफसोस कि ये आदेश सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह जाते हैं। जमीनी स्तर पर आज तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं दिखी। आखिर क्यों प्रशासन इन निजी स्कूलों पर लगाम नहीं लगा पा रहा?

क्या ये सिर्फ दिखावे की कागजी घोषणाएं हैं या फिर इसमें कुछ नेताओं और रसूखदारों की मिलीभगत है ? आज इन निजी स्कूलों में हर चीज बेची जा रही है वो भी प्रिंट रेट पर। वहां अभिभावकों को एक पैसे की भी छूट नहीं मिलती। इसके उलट जब हम स्थानीय दुकानदारों से सामान खरीदते हैं तो हम आपको ड्रेस हो स्टेशनरी हो या अन्य सामान उस पर भारी डिस्काउंट देते हैं।

कुछ तो एक दर्जन कॉपी के साथ तीन-चार कॉपियां तक मुफ्त दे देते हैं क्योंकि उनकी रोजी-रोटी ग्राहकों के भरोसे ही चलती है। आपकी मेहनत की गाढ़ी कमाई से ही आज इन निजी स्कूलों की कई-कई शाखाएं खुल रही हैं, जो सीधे तौर पर छोटे व्यापारियों के हक पर डाका और अभिभावकों का शोषण है। हमें इस भ्रष्ट व्यवस्था और दिखावे की घोषणाओं के खिलाफ एकजुट होना होगा। बाजार से सामान खरीदकर स्थानीय व्यापारियों का साथ दें और निजी स्कूलों के इस अवैध व्यवसायीकरण को रोकें। सरकार और प्रशासन को अब गहरी नींद से जागना चाहिए ताकि शिक्षा का मंदिर सिर्फ मोटी कमाई और नेताओं की साठगांठ का अड्डा बनकर न रह जाए।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

मरकजी ईदगाह में अदा हुई ईद-उल-फितर की नमाज, जिलाधिकारी ने दी मुबारकबाद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बेनाझाबर स्थित मरकजी ईदगाह में ईद-उल-फितर के अवसर पर बड़ी संख्या में नमाजियों ने एकत्र होकर नमाज अदा की। सुबह से ही ईदगाह परिसर में नमाजियों की भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में उत्साह व उल्लास का माहौल रहा। नमाज शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

नमाज के उपरांत जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मौके पर उपस्थित लोगों को ईद की मुबारकबाद दी और जनपदवासियों के लिए सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि ईद का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

इस अवसर पर लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी और खुशियां साझा कीं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल एवं यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरे कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ।

ईद-उल-फितर पर्व के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल द्वारा बजरिया स्थित मरकाजी ईदगाह का किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव द्वारा थाना क्षेत्र बजरिया स्थित मरकाजी ईदगाह (बेनाझाबर मार्ग) पर ईद-उल-फितर पर्व के दृष्टिगत क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों, पार्षदों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के संबंध में चर्चा की गई। साथ ही ईदगाह के आयोजकों एवं प्रबंधन समिति से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गोष्ठी उपरांत पुलिस उपायुक्त द्वारा मरकाजी ईदगाह (बेनाझाबर मार्ग) का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा नमाज के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अपर पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल अर्चना सिंह, संबंधित थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

कानपुर : नर्वल में कई हॉस्पिटल पर छापा, बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा अस्पताल सील

हॉस्पिटल में मरीजों का इलाज किया जा रहा था एसडीएम की छापेमारी से हड़कंप

कानपुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर नर्वल तहसील क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित निजी अस्पतालों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा एक हॉस्पिटल सील कर दिया गया जबकि दूसरे हॉस्पिटल में अनियमितताएं मिलने के बाद नोटिस जारी किया गया है।

गुरुवार को एसडीएम नर्वल विवेक कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज सीएचसी सरसौल अविनाश यादव एवं थाना महाराजपुर पुलिस बल के साथ संयुक्त टीम ने निरीक्षण कर एक अस्पताल को सील कर दिया, जबकि दूसरे के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।टीम ने नरवल मोड़ के पास स्थित श्रेयांश अस्पताल का निरीक्षण किया, जहां बिना पंजीकरण के मरीजों को भर्ती कर इलाज किए जाने का मामला सामने आया। मौके पर न तो कोई पंजीकरण अभिलेख मिले और न ही डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध था। गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर अस्पताल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया तथा मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज को संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।इसके बाद टीम ने महाराजपुर-हाथीपुर हाईवे पर ओवरब्रिज के निकट संचालित आरएस अस्पताल की जांच की। यहां ऑक्सीजन सिलेंडर, ड्रिप एवं 7-8 स्ट्रेचर बेड सहित अस्पताल संचालित होने के पर्याप्त साक्ष्य मिले, हालांकि मौके पर कोई मरीज, डॉक्टर या पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित नहीं था।केवल एक केयरटेकर मिला, जो कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी करने, अस्पताल का बोर्ड हटवाने तथा यदि अस्पताल का संचालन नहीं किया जा रहा है तो सभी चिकित्सा संबंधी उपकरण तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत परिणय सूत्र में बंधे 156 जोड़े

» अधिकारियों ने निभाई अभिभावक की भूमिका, किया कन्यादान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत शुक्रवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्टेडियम मैदान में 156 जोड़ों का विवाह सामाजिक एवं धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराया गया। प्रातः 08:00 बजे से शुरू हुए इस आयोजन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और परिजनों की बड़ी उपस्थिति रही और पूरा परिसर पारंपरिक उल्लास के साथ व्यवस्थित आयोजन का उदाहरण बना रहा।समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना के तहत ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों एवं भौतिक सत्यापन के बाद पात्र लाभार्थियों को कार्यक्रम में शामिल किया गया। आयोजन में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के गरीब परिवारों के जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। कुल 156 जोड़ों में अनुसूचित जाति के 117, अन्य पिछड़ा वर्ग के 31, सामान्य वर्ग के 2 तथा अल्पसंख्यक वर्ग के 6 जोड़े शामिल रहे।विकासखंडवार आंकड़ों में चौबेपुर से सर्वाधिक 46, शिवराजपुर से 35, नगर निगम क्षेत्र से 30, बिल्हौर से 21, सरसौल से 19, भीतरगांव से 4 तथा नगर पालिका शिवराजपुर से 1 जोड़े का विवाह संपन्न हुआ।समारोह में विधायक कल्याणपुर नीलिमा कटियार, विधायक घाटमपुर सरोज कुरील तथा जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण मौजूद रहे। जिला प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, अपर जिलाधिकारी (नगर) राजेश कुमार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम सदर अनुभव सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं समस्त खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सभी जोड़ों का बायोमेट्रिक एवं ऐप के माध्यम से सत्यापन कराया गया। विवाह स्थानीय परंपरा एवं विधि-विधान के अनुरूप संपन्न हुए। नवविवाहित जोड़ों एवं उनके परिजनों के लिए नाश्ता, सूक्ष्म जलपान, भोजन, रंगोली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समुचित व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी जोड़ों को उपहार सामग्री वितरित की गई और आयोजन शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के दौरान जिन कन्याओं के अभिभावक मौजूद नहीं थे, उनके लिए प्रशासनिक अधिकारी आगे आए और अभिभावक की भूमिका निभाते हुए कन्यादान किया।

13 साल बाद फिर शुरू होगा गोविंद नगर का पराग डेयरी प्लांट

» मदर डेयरी और एनडीडीबी के सहयोग से अप्रैल में शुरू करने की तैयारी

» रोज चार लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग, पैक्ड मिल्क से पनीर-घी तक होगा उत्पादन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर स्थित पराग डेयरी का आधुनिकीकृत प्लांट करीब 13 वर्ष बाद फिर से संचालित होने जा रहा है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सोमवार को प्लांट का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मदर डेयरी और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से अप्रैल माह में प्लांट को पुनः शुरू करने की तैयारी अंतिम चरण में है। प्लांट के संचालन से प्रतिदिन लगभग चार लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग होगी और कानपुर मंडल के करीब एक लाख दुग्ध उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि वर्ष 1962 में स्थापित पराग डेयरी प्लांट कानपुर ही नहीं बल्कि पूरे मंडल के प्रमुख और सबसे पुराने डेयरी प्लांटों में शामिल रहा है। वर्ष 2013 में विभिन्न कारणों से इसका संचालन बंद हो गया था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने इसके आधुनिकीकरण का निर्णय लिया। इसी क्रम में नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की इकाई इंडियन डेयरी मशीनरी कॉरपोरेशन लिमिटेड, आनंद (गुजरात) के माध्यम से प्लांट का पुनर्विकास और उन्नयन कराया गया है। इस परियोजना की कुल लागत 160.64 करोड़ रुपये है और इसका वित्त पोषण राज्य योजना के अंतर्गत किया गया है।

उन्होंने बताया कि अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित इस डेयरी प्लांट में दूध की प्रोसेसिंग के साथ विभिन्न दुग्ध उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन और पैकिंग की व्यवस्था विकसित की गई है। प्लांट में प्रतिदिन लगभग 1.50 लाख लीटर पैक्ड मिल्क, 20 मीट्रिक टन मिल्क पाउडर, एक टन पनीर तथा आठ टन देसी घी के उत्पादन की क्षमता स्थापित की गई है। विभिन्न विलेज लेवल कलेक्शन सेंटरों से दूध संग्रहित कर यहां प्रोसेस किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के दुग्ध उत्पादक किसानों को अपने उत्पाद का बेहतर बाजार और समय पर भुगतान मिल सकेगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्लांट के शुरू होने से उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाला, परीक्षणित और सुरक्षित दूध तथा दुग्ध उत्पाद उपलब्ध होंगे।

साथ ही किसानों को दूध का पारदर्शी और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। पराग ब्रांड की पहचान और गुणवत्ता को भी यथावत बनाए रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सहकारी क्षेत्र ने देश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और सरकार इस क्षेत्र को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। ऐसे में पराग डेयरी प्लांट का पुनः संचालन कानपुर मंडल में दुग्ध उत्पादन और डेयरी विकास को नई गति देगा।

प्लांट में गुणवत्ता नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक केंद्रीय प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहां प्रतिदिन आने वाले दूध की वैज्ञानिक तरीके से जांच की जाएगी और लैब टेस्टिंग के बाद ही उसे आगे प्रोसेसिंग के लिए भेजा जाएगा। गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रक्रिया को आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है।

मदर डेयरी के यूनिट हेड विनय प्रताप सिंह ने बताया कि प्लांट पूरी तरह आधुनिक तकनीक से लैस है। इसमें जापान और जर्मनी से मंगाए गए अत्याधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। प्लांट के संचालन से कानपुर मंडल सहित आसपास के लगभग एक लाख किसानों और पशुपालकों को लाभ मिलने की संभावना है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्लांट के संचालन से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी कर ली जाएं, जिससे अप्रैल माह में इसका सुचारू संचालन प्रारंभ किया जा सके।

कानपुर न्यायालय के 225 वे स्थापना दिवस पर अधिवक्ताओं ने किया मिठाई वितरण

कानपुर। कानपुर न्यायालय जिसकी स्थापना 18 मार्च 1801 में हुई थी। कानपुर कचहरी के 225 वे स्थापना दिवस के अवसर पर कानपुर न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश यादव के संयोजन में अधिवक्ताओ ने न्यायालय के गौरवशाली इतिहास के साथ अपने पूर्वज नामचीन अधिवक्ताओं को याद कर मिठाई वितरण किया।

प्रमुख रूप से पं रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन, श्याम नारायण यादव, संजीव कपूर, मोहन जीत सिंह, गंभीर, राकेश, सत्यार्थी, मनोज पांडे, आशीष श्रीवास्तव, राकेश सिद्धार्थ, शिवम गंगवार, इंद्रेश मिश्रा, वीर जोशी आदि रहे

लग्जरी ट्रेन, महंगे सूटकेस और गांजा, पुलिस ने तेजस से तस्करी करने वाले गिरोह को दबोचा, तीन गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर ।एडीसीपी ऑपरेशन और रावतपुर पुलिस ने पॉलिटेक्निक के पास से उड़ीसा से गांजा लाने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को 50 किलो माल के साथ पकड़ा है।

तस्कर तेजस एक्सप्रेस में महंगे सूटकेस लेकर चलते थे, ताकि किसी को शक न हो।कानपुर में एडीसीपी ऑपरेशन सुमित सुधाकर रामटेके और रावतपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक हाई-प्रोफाइल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पॉलिटेक्निक के पास घेराबंदी कर उड़ीसा से गांजा लाकर सप्लाई करने वाले दो युवकों और एक महिला को गिरफ्तार किया है।इनके पास से करीब 50 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ है।

पकड़े गए तस्करों की पहचान उन्नाव के अकबर अली उर्फ चिन्गारी, काकादेव के उमेश चंद्र राजपूत और फतेहगढ़ की सलमाना बेगम के रूप में हुई है।

दूध टैंकर ने बाइक सवारों का रौंदा, तीन दोस्तों की मौत, अंतिम संस्कार में जाते समय हादसा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर रेऊना थाना क्षेत्र में दूध टैंकर की टक्कर से बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। वे एक अंतिम संस्कार में शामिल होने यमुना घाट जा रहे थे। तभी शाखा जनवारा के पास हादसा हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।कानपुर के घाटमपुर में रेऊना थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुगलरोड पर शाखा जनवारा के पास गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार दूध टैंकर ने बाइक को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और टैंकर के नीचे कुचल गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक घाटमपुर कस्बे के ही निवासी थे। वे कस्बे में ही एक वृद्धा की मृत्यु होने पर उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए यमुना घाट जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक शाखा जनवारा के पास पहुंची।शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजासामने से आ रहे अनियंत्रित दूध टैंकर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवकों की शिनाख्त होते ही उनके परिवारों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने टैंकर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए तीन ठिकानों पर एक साथ छापा, 38 सिलेंडर बरामद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए तीन ठिकानों पर टीमों ने एक साथ छापा मारा और बड़ी संख्या में छोटे व बड़े गैस सिलेंडर, पेट्रोमैक्स रिफिलिंग का सामान बरामद हुआ। सबसे ज्यादा लाल बंगला मंडी में गैस का खेल बेनकाब हुआ है। लालबंगला स्थित न्यू सब्जी मंडी क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध इस्तेमाल और रिफिलिंग के खेल का गुरुवार को पर्दाफाश हो गया।

मुखबिर की सटीक सूचना पर अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) राजेश कुमार और जिला पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। एक साथ तीन ठिकानों पर छापा मारते हुए 38 गैस सिलेंडर और चार पेट्रोमैक्स बरामद किए। जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अर्जेंट रिपेयरिंग सेंटर से चार घरेलू सिलेंडर और पेट्रोमैक्स रिफिलिंग का सामान मिला।

न्यू स्वीटी किचन सेंटर से दस छोटे कॉमर्शियल सिलेंडर, सात घरेलू सिलेंडर, रिफिलिंग उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन बरामद की गई। वहीं स्वाति किचन सेंटर से 13 घरेलू और चार कॉमर्शियल सिलेंडर कब्जे में लिए गए। कुल 24 घरेलू, 10 छोटे कॉमर्शियल और चार बड़े कॉमर्शियल सिलेंडर जब्त किए गए हैं।उन्होंने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग और अवैध रिफिलिंग सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। कार्रवाई के बाद तीनों आरोपितों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्पष्ट किया कि जनपद में गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने आमजन से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से सिलेंडर की बुकिंग न करें। उन्होंने यह भी कहा कि अवैध गैस कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे नेटवर्क को जड़ से समाप्त किया जाएगा। दरअसल गैस की किल्लत की पैनिक के पीछे एक कारण ये भी है कि स्टाक में लोग सिलेंडर रखना चाहते हैं ताकि दिक्कत नहीं आये। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शहर की सभी गैस एजेंसियों को चेक करने के निर्देश दिये हैं लेकिन पिछले कुछ दिनों लाखों की संख्या में लोगों ने सिलेंडर बुक कराये हैं। वहीं दूसरी ओर सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले अपना खेल कर रहे हैं। कामर्शियल सिलेंडर अभी भी ब्लैक से 2500 से 3000 रुपये, घरेलू सिलेंडर 1800 रुपये तक मिल रहा है।

कानपुर में दरिंदगी: 11 साल की मासूम से दुष्कर्म, हत्या के बाद खेत में गाड़ा शव, आरोपी पड़ोसी हिरासत में

बकरी चराने गई 11 साल की बच्ची की हत्या कर शव खेत में गाड़ दिया परिजनों ने पड़ोसी युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । बिधनू में बकरी चराने गई 11 साल की बच्ची की हत्या कर शव खेत में गाड़ दिया गया। परिजनों ने पड़ोसी युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है।कानपुर में बिधनू थानाक्षेत्र के एक गांव में सोमवार शाम बकरी चराने गई 11 वर्षीय बच्ची की हत्या कर शव को खेत मे गाड़ दिया। परिजन पड़ोसी युवक पर दुष्कर्म के बाद हत्या करने की आशंका जता रहे है। मजदूर पिता के मुताबिक उनकी 11 वर्षीय बेटी पांचवी की छात्रा है।

वह सोमवार शाम बकरी चराने खेत गई। देर शाम तक वापस न आने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना देने के साथ खोजबीन शुरू कर दी।देर रात खोजबीन के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली।

मंगलवार तड़के परिजनों ने दोबारा खोजबीन शुरू की। घर से करीब तीन सौ मीटर दूर गेंहू के खेत मे हाल ही कि मिट्टी खुदी हुई देख परिजनों ने खोद कर देख, तो बच्ची का शव दिखा। इस पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम बुलाकर शव को बाहर निकलवाया। बच्ची बिलकुल निर्वस्त्र थी।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पुलिस गला दबाकर हत्या करने का अंदेशा जता रही है। शव की हालत देख परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव को गाड़ने का आरोप लगाया है।

पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर ने बताया कि एक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, जिसके बाद दुष्कर्म की पुष्टि हो पाएगी।

सुरंग बनाकर ज्वेलरी शॉप में बड़ी चोरी, आठ लाख का माल पार कर ले गए चोर, तलाश में जुटी पुलिस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । चकेरी में खादू ज्वेलर्स की दुकान में सुरंग बनाकर चोरों ने आठ लाख के जेवर और नगदी चोरी कर लिए। शातिर चोर अपने साथ सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी ले गए।कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के अहिरवां के न्यू पटेल नगर में बगल के खाली प्लॉट से सुरंग बनाकर घुसे चोरों ने ज्वेलर्स की दुकान से नगदी जेवरात समेत आठ लाख का माल पार कर दिया। चोर डीवीआर समेत सीसीटीवी कैमरे भी उखाड़ ले गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। ओमपुरवा लाल बंगला निवासी सोनू वर्मा की अहिरवां के न्यू पटेल नगर में खादू ज्वेलर्स नाम से दुकान है।सोनू ने बताया कि बीती सोमवार रात में वह दुकान बंद करके घर आ गए थे। मंगलवार सुबह पड़ोसी ने उनको चोरी की सूचना दी। जानकारी पाकर वह दुकान में पहुंचे, तो पीछे खाली प्लाट से सुरंग बनाकर चोर अंदर दाखिल हुए थे। चोर करीब डेढ़ किलो चांदी, 25 ग्राम सोना और लगभग 50 हजार रुपये कैश समेत आठ लाख रुपये का माल लेकर फरार हो गए।सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की तलाशइतना ही नहीं दुकान में लगे दो सीसीटीवी कैमरे समेत डीवीआर भी उखाड़ ले गए है। उधर, घटना की जानकारी मिलते हीआदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर नाराजगी जताई। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की तलाश की जा रही है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

सर्किल रेट को लेकर तहसील में प्रदर्शन, कार्यालय पहुंचे किसान, बोले- दरें हों दोगुनी, ज्ञापन सौंपा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नरवल तहसील के किसानों ने सर्किल रेट की विसंगतियों को लेकर मंगलवार को एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। हाईवे के पास स्थित गांवों का रेट दूरस्थ इलाकों से कम होने पर किसानों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे तत्काल बढ़ाने की मांग की है।कानपुर के नरवल तहसील क्षेत्र में सर्किल रेट बढ़ोतरी को लेकर किसानों का गुस्सा खुलकर सामने आया। मंगलवार को ग्राम हाथीपुर, महाराजपुर और फुफुवार सुईथोक के किसानों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और जल्द कार्रवाई की मांग की।किसानों का कहना है कि सितंबर 2025 में जिले के अधिकांश गांवों में सर्किल रेट बढ़ाया गया, लेकिन उनके गांवों को इससे बाहर रखा गया। महाराजपुर और हाथीपुर जैसे गांव नगर निगम सीमा और कानपुर-प्रयागराज हाईवे के पास होने के बावजूद यहां का सर्किल रेट मात्र 63 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर है, जबकि दूरस्थ क्षेत्रों में यह 70 से 89 लाख रुपये तक है।ये लोग रहे मौजूद किसानों ने इसे आर्थिक नुकसान बताते हुए दरों को दोगुना करने की मांग की।

एसडीएम विवेक कुमार मिश्रा ने ज्ञापन प्राप्त कर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजने और जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान शिवनंदन अग्निहोत्री, विजय पांडे,अजय पांडे, रामकुमार सिंह,शिवशरण, विनेश चंद शुक्ला सहित एक दर्जन से अधिक किसान मौजूद रहे।

फ्लाईओवर पर ट्रेलर ने बाइक सवार को मारी टक्कर; हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल चालक फरार

कानपुर । चकेरी के कोयला नगर फ्लाईओवर पर ट्रेलर की टक्कर से यशोदा नगर निवासी वीरेंद्र यादव घायल हो गए। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।कानपुर में चकेरी थानाक्षेत्र के कोयला नगर फ्लाईओवर पर सोमवार देर रात एक ट्रेलर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया। घटना के बाद चालक ट्रेलर छोड़कर मौके से फरार हो गया। नौबस्ता थाना क्षेत्र के यशोदा नगर निवासी वीरेंद्र सिंह यादव बीते सोमवार को चकेरी में रिश्तेदारी में आए हुए थे। देर रात वह बाइक से घर लौट रहे थे।चालक की तलाश में जुटी पुलिसतभी कोयला नगर फ्लाईओवर पर पहुंचते ही अचानक से एक ट्रेलर ने उनको टक्कर मार दी। हादसे में सड़क पर गिरने से वह घायल हो गए। लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया] जहां से परिजन नौबस्ता स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि चालक ट्रेलर छोड़कर मौके से फरार हो गया है। ट्रेलर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

टेनरी के स्प्रे विभाग में लगी भीषण आग, शॉर्ट सर्किट से हुआ हादसा, दमकल ने समय रहते पाया काबू

» बीपीएस न्यूज

कानपुर ।जाजमऊ की नई चुंगी स्थित एक टेनरी में मंगलवार को शॉर्ट सर्किट के कारण स्प्रे विभाग में भीषण आग लग गई। दमकल की एक गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और बड़े नुकसान को होने से रोक लिया।कानपुर में जाजमऊ थानाक्षेत्र के नई चुंगी स्थित एक टेनरी में मंगलवार को अफरा-तफरी मच गई, जब स्प्रे डिपार्टमेंट में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख टेनरी में काम कर रहे कर्मचारी जान बचाकर बाहर भागे। सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि मंगलवार दोपहर स्प्रे डिपार्टमेंट में बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी निकली, जिसने वहां रखे ज्वलनशील पदार्थ को पकड़ लिया। देखते ही देखते धुएं का गुबार उठने लगा। टेनरी प्रबंधन ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचित किया। गनीमत रही कि समय रहते आग बुझा ली गई, जिससे किसी जनहानि की खबर नहीं है।

डम्फर हादसे में तीसरे घायल ने भी तोड़ा दम, भड़के परिजनों ने लगाया जाम, नौकरी और मुआवजे की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। घायल सुमित पाल की मौत के बाद परिजनों ने शव रखकर जाम लगा दिया। वे मुआवजे और नौकरी की मांग को लेकर लिखित आश्वासन पर अड़े हुए हैं।

कानपुर देहात में रूरा-शिवली मार्ग पर बीते शनिवार की रात शादी समारोह से लौट रहे बाइक सवारों को डंपर ने टक्कर मार दी थी।

हादसे में जुगराजपुर निवासी अनिल पाल और रूपेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल सुमित पाल ने सोमवार को कानपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।तीसरे युवक की मौत के बाद मंगलवार सुबह करीब सात बजे आक्रोशित परिजनों ने रूरा-शिवली मार्ग स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने शव रखकर जाम लगा दिया।

मुख्य मार्ग जाम होने के कारण कुछ वाहन गहलौ-काशीपुर रोड से निकलने लगे, लेकिन परिजनों ने वहां भी लकड़ी के गट्ठर और ईंटें रखकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया।परिजन अपनी मांगों पर अड़ेइससे दोनों मार्गों

पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना पर मौके पर पहुंचे एसडीएम मैथा राजकुमार पाण्डेय, राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और पूर्व सांसद अनिल शुक्ला ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने काफी देर तक वार्ता की, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे।

पुलिस बल भी मौके पर तैनातपरिजनों का कहना है कि जब तक मृतकों के आश्रितों को मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का लिखित आश्वासन नहीं दिया जाएगा, तब तक जाम समाप्त नहीं किया जाएगा।

तनाव की स्थिति बनी रही और पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। पुलिस परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही है।

गैस बुकिंग की कॉल या मैसेज आए तो सावधान हो जाएं क्लिक करते ही खाली हो रहा खाता, इन मामलों से लें सबक

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । गैस संकट का फायदा उठाकर साइबर ठग फर्जी बुकिंग मैसेज और एपीके लिंक के जरिए लोगों के मोबाइल हैक करने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने उपभोक्ताओं को ओटीपी शेयर न करने और अनजान लिंक से बचने की सलाह दी है।कानपुर में एलपीजी गैस सिलिंडर की किल्लत के बीच साइबर अपराधी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर पर गैस बुकिंग के मैसेज भेजने शुरू कर दिए हैं। यह सामान्य मैसेज और व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से भेजे जा रहे हैं। कुछ उपभोक्ताओं ने पुलिस, साइबर सेल और साइबर क्राइम ब्रांच को मैसेज की जानकारी दी है। पुलिस ने मैसेज की जांच की, जिसमें लिंक निकला है।

यह लिंक एपीके फाइल की है, जिसे खोलते ही मोबाइल की सारी जानकारी ठग के पास जा सकती हैं। उपभोक्ताओं को ऐसे मैसेज आने पर सचेत रहने के लिए निर्देशित किया जा रहा है। सामान्यता साइबर अपराधी आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक खाता, डेबिट कार्ड में गड़बड़ी या उसके उच्चीकरण की बात कहकर कॉल करते हैं। इसमें वह खुद को बैंक अफसर और उस विभाग का अधिकारी बता ओटीपी नंबर पूछते हैं। ओटीपी नंबर मिलते ही लोगों के खाते से रुपये निकल जाते हैं।उपभोक्ता के पास आ रहे हैं कॉल या मैसेजपूर्वी जोन के साइबर सेल प्रभारी प्रदीप सिंह तलावत ने बताया कि मौजूदा समय में एलपीजी सिलिंडर की दिक्कत चल रही है। मोबाइल में इंटरनेट होने से उपभोक्ता ऑनलाइन बुकिंग और हेल्पलाइन नंबरों को सर्च कर रहे हैं। साइबर अपराधी अपना जाल बिछा रहे हैं। उन्होंने फर्जी बुकिंग नंबर या गैस बुकिंग की नकली वेबसाइट तैयार कर रखी है। उस पर सर्च करने पर उपभोक्ता के पास कॉल या मैसेज आ रहे हैं।केस एक- कैंट के एक दुकानदार के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज आया था। उसमें गैस बुकिंग की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा गया था। उन्हें आशंका हुई, जिस पर एजेंसी को कॉल कर जानकारी दी। एजेंसी ने ऐसे किसी भी तरह के मैसेज व्हाट्सएप पर नहीं भेजने की जानकारी दी।केस दो- रेलबाजार निवासी युवक के पास गैस बुकिंग का मैसेज आया। उसमें बुकिंग के रुपये ऑनलाइन भेजने के लिए कहा गया। उन्होंने एजेंसी में जाकर रुपये जमा कराए जिसके बाद उनके पास सही मैसेज आया।

उन्होंने कुछ दिन पहले ही शिकायत के लिए कस्टमर केयर नंबर देखा था।क्या करें, क्या न करेंकिसी भी अनजान लिंक को क्लिक न करें।वेबसाइट को सर्च करने से पहले अच्छी तरह से देख लें।कस्टमर केयर नंबर एक ही होते हैं।

किसी अन्य नंबर पर कॉल करने से बचें।किसी भी तरह तरह से ओटीपी न बताएं।गैस एजेंसी में जाकर एक बार लिंक को चेक कराएं।बुकिंग के लिए किसी तरह की छोटी राशि नहीं ली जाती है।गैस सिलिंडर के नाम पर अब तक रुपये ठगने की कोई सूचना नहीं आई है। उपभोक्ताओं को जागरूक रहना चाहिए। किसी भी तरह के मैसेज को खोलने से बचें।

नशेड़ी पति ने सिलबट्टे से ली पत्नी की जान, मां को बचाने के लिए गिड़गिड़ाता रहा मासूम, आरोपी की तलाश

» बीपीएस न्यूज

महोबा । भंडरा गांव में एक शराबी पति ने मामूली विवाद में अपनी पत्नी की सिलबट्टे से कूचकर हत्या कर दी। घटना के समय मासूम बेटा मां को बचाने का प्रयास करता रहा। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।महोबा जिले में थाना श्रीनगर के भंडरा गांव में शराबी पति ने सोमवार की रात पत्नी की सिलबट्टे से कूचकर हत्या कर दी। घटना के समय छह वर्षीय बेटा मां को बचाने का प्रयास करता रहा। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना मिलते ही एसपी प्रबल प्रताप सिंह, अपर एसपी वंदना सिंह और सीओ दीपक दुबे ने घटनास्थल पहुंच जांच की। मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।भंडरा गांव के मजरा लोधी खोड़ा निवासी रामसिंह राजपूत करीब पांच बीघा भूमि में खेती-किसानी करता था। वह प्रतिदिन शराब के नशे में घर पहुंचकर पत्नी पवन देवी (36) के साथ मारपीट करता था। सोमवार की रात एक बार फिर वह शराब के नशे में घर पहुंचा। पत्नी ने इसका विरोध किया तो विवाद हो गया। कहासुनी होने पर रामसिंह ने किचिन में रखे सिलबट्टे से पत्नी के सिर पर कई वार किए। इससे पवन देवी की मौके पर ही मौत हो गई। घर पर मौजूद छह वर्षीय बेटा आयुष मां को बचाने का प्रयास करता रहा, तो पिता ने उसे भी धमकाते हुए अलग कर दिया। इसके बाद में आरोपी फरार हो गया।आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मृतका के बेटे व अन्य परिजनों से जानकारी ली। मृतका के पिता भगवती प्रसाद ने बताया कि दामाद उसकी बेटी के साथ शराब के नशे में मारपीट करता था। बेटी ने यह बाद कई बार बताई। नशे की हालत में उसने पवन देवी की सिलबट्टे से हमलाकर हत्या कर दी। थानाध्यक्ष जयचंद्र सिंह का कहना है कि मृतका के पिता की तहरीर पर आरोपी रामसिंह के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

शराब के नशे में दामाद-ससुर की दबंगई, केयर टेकर की पीट-पीटकर हत्या, दोनों आरोपी हिरासत में, पूछताछ जारी

हरदोई । बड़ागांव में गाली-गलौज का विरोध करने पर ससुर-दामाद ने केयर टेकर फूलचंद्र पर हमला कर दिया। उनकी ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।हरदोई जिले में कासिमपुर थाना क्षेत्र के बड़ागांव में रविवार शाम साढ़े पांच बजे शराब के ठेके पर दो युवकों ने नशे में केयर टेकर पर जानलेवा हमला कर दिया। इसमें केयर टेकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन इलाज के लिए सीएचसी लाए, जहां पर डॉक्टरों ने हालत नाजुक देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। यहां पर सोमवार देर रात नौ बजे इलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। पुलिस दोनो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बरात में आए युवक की ससुराल के गेट पर मौत; पत्नी ने फोन कर बुलाया था घर, पिता ने लगाया हत्या का आरोपथाना क्षेत्र के बड़ागांव गांव निवासी फूलचंद्र (45) गांव में रहकर स्थित गोशाला में केयर टेकर के था। विगत रविवार को फूलचंद्र चौराहे पर किराना दुकानदार के बकाया पैसे देने के लिए गया था।

इसी दौरान शराब के ठेके पर पड़ोस के ही गांव झामखेड़ा के रहने वाले चंदा और उनका दामाद शराब नशे में गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर फूलचंद्र पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछहमले में फूलचंद्र गंभीर रूप से घायल हो परिजन सीएचसी लाए, जहां पर डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। यहां पर देर साढ़े आठ बजे उसने दम तोड दिया। मृतक के परिवार में पत्नी रामबेटी के अलावा दो पुत्र और तीन पुत्रियां हैं। प्रभारी निरीक्षक घनश्याम राम ने बताया कि पहले ही आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज था। अब गैर इरादातन हत्या की धारा में तरमीम किया जा रहा है। दोनो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पूर्व विधायक विजय सिंह के घर विस्फोट, दो बेटों सहित छह घायल, एक की हालत गंभीर

» बीपीएस न्यूज

फर्रूखाबाद । विजय सिंह पूर्व ऊर्जा मंत्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या में बनारस जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। पूर्व पालिका अध्यक्ष दमयंती सिंह ने विस्फोट के पीछे साजिश होने की बात कही।पूर्व ऊर्जा मंत्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या में बनारस जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व विधायक विजय सिंह के नाला मछरट्टा स्थित आवास पर मंगलवार देर शाम विस्फोट हो गया। इससे उनके दोनों बेटे अभिषेक सिंह उर्फ सिक्की व अविनाश सिंह विक्की सहित छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट इतना तेज था कि मकान की चौथी मंजिल पर बनी रेलिंग, खिड़की, दरवाजे टूट गए। बेसमेंट की छत क्षतिग्रस्त हो गई। आसपास की दुकानों के साथ मकान भी हिल गए।सपा के पूर्व विधायक विजय सिंह के बेटे अभिषेक सिंह उर्फ सिक्की व अविनाश सिंह, पूर्व पालिका अध्यक्ष पत्नी दमयंती सिंह के अलावा गांव नूरपुर के प्रधान भैयालाल चौहान व मोहल्ला राजीव गांधी नगर निवासी राशू, नाला मछरट्टा निवासी ईशू चौरसिया व रामवीर सिंह मंगलवार शाम को घर में थे। इसी दौरान चार मंजिला मकान के बेसमेंट में तेज विस्फोट हुआ। इससे मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर तो लोग समझ ही पाए कि क्या हुआ है।इसके बाद घर के अंदर मची चीख पुकार सुन लोग पहुंचे और उन्होंने घायल सिक्की, विक्की, भैया लाल, ईशू चौरसिया व रामवीर को साहबगंज चौराहा स्थित नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा राशू को लोहिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। भैयालाल की हालत नाजुक होने पर कानपुर रेफर कर दिया गया। जानकारी मिलने पर डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी, एसपी आरती सिंह मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पूर्व पालिका अध्यक्ष दमयंती सिंह ने बताया कि घटना के समय वह पूजा कर रही थीं। उन्होंने विस्फोट के पीछे किसी की साजिश होने की बात कही है। विस्फोट की तीव्रता इतनी तेज थी कि बेसमेंट की छत टूट गई। रसोई सहित घर के अन्य स्थानों पर रखा सामान बिखर गया। एसपी आरती सिंह ने बताया कि मौके पर जांच की जा रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं किया जा सकता कि विस्फोट कैसे हुआ। जांच के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नौबस्ता थाने में हिस्ट्रीशीटर भाइयों पर 10 लाख रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नौबस्ता थाने में हिस्ट्रीशीटर भाइयों समेत तीन लोगों पर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज हुई है।

जरौली फेस वन निवासी दीपक शुक्ला का आरोप है कि प्लॉट पर निर्माण कराने के एवज में यह रकम मांगी गई थी। विरोध पर मारपीट की गई। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार दीपक ने पत्नी रश्मि के नाम पर नौबस्ता में नेहरू स्मारक सहकारी आवास समिति से 90 वर्गगज का प्लाट खरीदा था।चार फरवरी को प्लॉट का निर्माण करवा रहे थे। तभी चंदीपुरवा निवासी हिस्ट्रीशीटर कमल, उसका भाई विमल तिवारी और आशीष दुबे आए।

निर्माण कराने के एवज में 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपों की जांच की जा रही है।

सेवानिवृत्त राजस्व कर्मी समेत दो ने फंदा लगाकर दी जान, अलग-अलग थानाक्षेत्रों में हुई घटनाएं

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। के हनुमंत विहार थानाक्षेत्र में बीमारी से परेशान होकर सेवानिवृत्त राजस्व कर्मी और रावतपुर में फर्नीचर कारीगर ने सोमवार देर रात फंदा लगाकर जान दे दी। मंगलवार सुबह मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच कर हनुमंत विहार के खाड़ेपुर निवासी योगेंद्र कुमार पांडेय (66) राजस्व विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। परिवार में पत्नी कल्पना, दो बेटे सत्यम और सिद्धार्थ हैं। परिजनों ने बताया कि योगेंद्र को बीपी, मधुमेह, हार्ट की बीमारी थी।इसकी वजह से अवसाद में रहते थे। सोमवार रात सभी के साथ खाना खाया इसके बाद कमरे में सोने चले गए। मंगलवार सुबह परिजन सोकर उठे तो फंदे से शव लटका पाया। हनुमंत विहार थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि बुजुर्ग ने बीमारी से तंग आकर खुदकुशी की है। वहीं, रावतपुर थाना क्षेत्र में रावतपुर गांव थारू बस्ती निवासी आशीष कुमार उर्फ संपतलाल (36) ने सोमवार देर रात मसवानपुर स्थित निर्माणाधीन साइट पर फंदा लगाकर जान दे दी। परिवार में पत्नी पूजा, बच्चों सेजल, मुस्कान, सूजल बिलख पड़े। रावतपुर थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया क परिजन घटना के पीछे के कारण नहीं बता सके हैं।

इजराइल ने ईरान के गैस क्षेत्रों पर हमले रोकने का किया वादा, ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल

ट्रम्प के अनुरोध पर नेतन्याहू ने लिया फैसला, खाड़ी क्षेत्र में हमलों से कच्चे तेल के दामों में 60 फीसदी का भारी उछाल

» बीपीएस न्यूज

दुबई। इजराइल ने ईरान के प्रमुख प्राकृतिक गैस क्षेत्रों पर आगे कोई हमला नहीं करने का वादा किया है। यह अहम फैसला ऐसे समय में आया है जब ईरान ने खाड़ी क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस प्रतिष्ठानों पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। इस बढ़ते संघर्ष का वैश्विक ऊर्जा बाजारों और अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है।इन हमलों के बाद ईंधन की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है और ईरान के पड़ोसी अरब देशों के युद्ध में सीधे तौर पर उतरने का खतरा बढ़ गया है। दुनिया के कुल तेल परिवहन का पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। इस अहम जलमार्ग पर ईरान की लगातार रुकावटों के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति पहले से ही भारी दबाव में है।

ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की थी। इसके बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार देर रात बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अनुरोध पर इजराइल फिलहाल अपतटीय गैस क्षेत्र पर कोई हमला नहीं करेगा। नेतन्याहू ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में दावा किया कि अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की क्षमता नहीं बची है, हालांकि उन्होंने इस दावे के समर्थन में कोई प्रमाण पेश नहीं किया।

मुजतबा खामेनेई के हाथ में कमान, कच्चे तेल में लगी आग

अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को युद्ध शुरू किए जाने के बाद से ईरान के कई शीर्ष नेता हवाई हमलों में मारे जा चुके हैं, जिससे देश की सैन्य क्षमताएं कमजोर हुई हैं। सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मारे जाने के बाद अब ईरान का नेतृत्व उनके बेटे मुजतबा खामेनेई कर रहे हैं। ईरान अभी भी खाड़ी के अरब पड़ोसी देशों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले कर रहा है। तनाव के चलते यूएई के तट के पास एक जहाज में आग लगा दी गई और कतर के पास एक अन्य जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। इसके अलावा लाल सागर में स्थित सऊदी अरब की एक रिफाइनरी को भी ईरानी ड्रोन से निशाना बनाया गया। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। तेल के अंतरराष्ट्रीय मानक %ब्रेंट क्रूड% की कीमत में भी अब तक 60 प्रतिशत से अधिक का उछाल आ चुका है।

दशकों बाद ईद पर बंद की गई अल-अक्सा मस्जिद

» बीपीएस न्यूज

यरूशलम। यरूशलम में स्थित अल-अक्सा मस्जिद परिसर को दशकों के बाद पहली बार ईद की नमाज के लिए दशकों में पहली बार बंद किया गया है। इससे पहले, 1967 में पश्चिम एशिया युद्ध के दौरान मस्जिद पूरी तरह बंद की गई थी।युद्ध के दौरान इजराइल ने पूर्वी यरूशलम और पुराने शहर पर कब्जा कर लिया था। यह मस्जिद एक पहाड़ी परिसर में स्थित है, जो मुसलमानों और यहूदियों दोनों के लिए बहुत अहमियत रखती है। इस जगह पर दावे को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है।इसे लेकर इतिहास में कई बार इजराइलियों और फलस्तीनियों के बीच टकराव हो चुका है। ईरान युद्ध के दौरान सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इजराइल ने पुराने शहर के सभी धर्मों के उपासकों के लिए पवित्र स्थलों को बंद कर रखा है। हालांकि इन प्रतिबंधों का सबसे अधिक प्रभाव मुसलमानों पर पड़ा है क्योंकि हर शुक्रवार को हजारों मुसलमान अल-अक्सा में नमाज अदा करने के लिए आते हैं।

कनाडा पुलिस यू टर्न

भारत सरकार और लॉरेंस बिश्नोई पर लगाए गए आरोपों को लिया वापस

» बीपीएस न्यूज

चंडीगढ़। भारत और कनाडा के बीच 2024 से जारी कूटनीतिक कड़वाहट के बीच एक बेहद अहम और राहत भरी खबर आई है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के कमिश्नर माइक दुहेमे ने अपने पुराने दावों से पीछे हटते हुए कहा है कि वर्तमान में उनके पास ऐसे कोई सबूत नहीं हैं, जो भारत सरकार को कनाडा की धरती पर किसी भी प्रकार की गुप्त गतिविधियों या अंतरराष्ट्रीय दमन से जोड़ते हों। यह बयान उन आरोपों के बिल्कुल विपरीत है, जिन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों को निचले स्तर पर धकेल दिया था।

कमिश्नर दुहेमे ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में चल रही जांचों और आपराधिक सूचनाओं के आधार पर कनाडा में हो रही गतिविधियों का किसी विदेशी इकाई या भारत सरकार से कोई संबंध नहीं पाया गया है। उन्होंने कहा, फिलहाल हमारी फाइलों में ऐसा कुछ नहीं है जिससे यह साबित हो सके कि इन घटनाओं के पीछे कोई विदेशी हाथ है।

2024 के दावों से क्यों पलटी कनाडा पुलिस?

गौरतलब है कि अक्टूबर 2024 में इसी आरसीएमपी कमिश्नर ने दावा किया था कि उनके पास भारत सरकार के उच्चतम स्तर के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। तब आरोप लगाया गया था कि भारतीय राजनयिक जानकारी जुटाकर आपराधिक संगठनों, विशेषकर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को दे रहे हैं ताकि कनाडा में सिख समुदाय के खिलाफ हिंसा की जा सके।

अब अपने ताजा बयान में दुहेमे ने स्पष्ट किया कि उनके 2024 के बयान उस समय की जांच पर आधारित थे, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों और नई जांचों में वह कड़ी नहीं जुड़ पा रही है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अक्सर इस तरह के मामलों में किसी विशिष्ट विदेशी इकाई के साथ गतिविधियों को जोड़ना काफी चुनौतीपूर्ण होता है।लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कनाडा में बढ़ते प्रभाव पर भी पुलिस कमिश्नर ने चौंकाने वाली बात कही है। उन्होंने संकेत दिया कि कनाडा में हो रही कई आपराधिक घटनाओं में कुछ लोग केवल बिश्नोई गिरोह के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।दुहेमे के अनुसार, यह संभव है कि कुछ अपराधी या छोटे गिरोह केवल कॉपीकैट (नकलची) के तौर पर बिश्नोई गैंग का नाम डराने या फिरौती वसूलने के लिए इस्तेमाल कर रहे हों, जबकि उनका उस गैंग से कोई सीधा परिचालन संबंध न हो। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कनाडा में हुई कई टारगेट किलिंग्स और जबरन वसूली के मामलों में बार-बार बिश्नोई नेटवर्क का नाम उछाला गया था।

भारत-कनाडा संबंधों में सुधार की उम्मीद

कनाडा पुलिस के इस बदले हुए रुख को दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। पिछले साल गर्मियों में ही दोनों देशों ने एक-दूसरे के यहां नए उच्चायुक्त नियुक्त किए थे। इसी महीने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नई दिल्ली का दौरा भी किया है, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि अब दोनों देश पुरानी कड़वाहट को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहते हैं।

अगर रूस में एलपीजी उपलब्ध होगी, तो वहां से भी खरीदी जाएगी-भारत

- विदेश मंत्रालय ने कहा कि अगर रूस में एलपीजी उपलब्ध होगी, तो वहां से भी खरीदी जाएगी
- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ईंधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत आपूर्ति स्त्रोतों को बढ़ा रहा
- भारत ने खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस के कुंओं तथा तेल रिफाइनरियों पर हमलों को अत्यंत चिंताजनक बताया

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ रहे बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, भारत ने गुरुवार को कहा कि वह लोगों की ईंधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने आपूर्ति स्त्रोतों को बढ़ा रहा है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत हर जगह से एलपीजी खरीदने की कोशिश कर रहा है और अगर रूस से एलपीजी उपलब्ध होती है, तो वहां से भी एलपीजी की खरीदी होगी।उन्होंने कहा कि भारत के पास अधिक विकल्प होना चाहिए और वह रूस सहित विभिन्न स्त्रोतों से तेल खरीद रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हर जगह से एलपीजी खरीदने की कोशिश कर रहे हैं, जहां भी यह उपलब्ध हो।इसलिए अगर रूस में एलपीजी उपलब्ध है, तो हम वहां से भी खरीदेंगे। क्योंकि मौजूदा हालात ऐसे हैं कि हमें अपने लोगों की ईंधन संबंधी जरूरतों को पूरा करना ही होगा।

भारत ने खाड़ी क्षेत्र में तेल और गैस के कुंओं तथा तेल रिफाइनरियों पर हमलों को अत्यंत चिंताजनक बताया है। सरकार ने कहा है कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता और हमले तुरंत रोके जाने चाहिए।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पिछले कुछ दिनों में खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना पर हुए हमलों के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में गुरुवार को कहा कि भारत ने यह संघर्ष शुरू होने पर ही कहा था कि नागरिक और ऊर्जा ठिकानों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान में फंसे करीब 882 भारतीय नागरिक अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते अपने घर वापस आ रहे हैं। इसमें , जिनमें छात्र, व्यवसायी और तीर्थयात्री शामिल हैं। कई लोग पहले ही पहुंच चुके हैं।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कई लोगों ने खुद को दूतावास में रजिस्टर नहीं कराया है। इसलिए, हमारा अंदाजा था कि 9,000 लोग थे। इनमें से लड़ाई शुरू होने से पहले काफी संख्या में छात्र लौट आए थे।

उन्होंने आगे कहा कि वहां यात्रा करने वाले 284 तीर्थयात्रियों में से 280 लौट आए हैं; वे आर्मेनिया के रास्ते आए थे। तीन या चार और बचे हैं, जिनके भी एक या दो दिन में पहुंचने की उम्मीद है।

टीवी बंद करने पर पिता को मार दी थी गोली, आरोपी को आजीवन कारावास

फास्ट ट्रैक कोर्ट ने अभियुक्त पर लगाया 15 हजार रुपये अर्थदंड

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। करीब साढ़े पांच वर्ष पूर्व सिकंदरा के नसीरपुर गांव में टीवी बंद करने को लेकर हुए विवाद में बेटे ने दोनाली लाइसेंसी बंदूक से पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मामले में भतीजे की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था, जिसकी सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक आनंद प्रिय गौतम की कोर्ट में चल रही थी। नियत तिथि पर बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोषी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।सहायक शासकीय अधिवक्ता धनंजय पांडेय ने बताया कि नसीरपुर निवासी रिषभ कटियार ने चार नवंबर 2020 को पुलिस को तहरीर दी थी, जिसमें बताया था कि वह रात करीब नौ बजे घर में बैठकर टीवी देख रहा था, साथ में बूढ़ी दादी, मां व बाबा लालाराम कटियार भी बैठे थे। उसी दौरान बड़े पापा(ताऊ) अशोक कटियार शराब के नशे में धुत होकर कहीं से आए और बिस्तर पर लेट गए और टीवी बंद करने को कहने लगे। इस पर उसने कहा कि थोड़ी देर में टीवी बंद कर देगा, जिससे नाराज होकर बड़े पापा अशोक कटियार गाली गलौज करने लगे। बाबा लालाराम ने गाली देने से मना किया तो अशोक ने अपनी लाइसेंसी दोनाली बंदूक से बाबा को गोली मार दी। हम सभी लोग बाबा को लेकर सिकंदरा अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं घटना के बाद बड़े पापा घर से भाग गए। मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था, जिसकी सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायालय 14 फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रही थी।नियत तिथि पर बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान बचाव व अभियोजन में बहस हुई। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि बंदूक की छीनाझपटी के दौरान यह घटना हो गई। अभियुक्त की गोली मारने की मंशा नहीं थी, जिसका अभियोजन ने विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलों के साथ ही साक्ष्य व गवाहों के बयान पर न्यायालय ने दोषी अशोक कटियार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही 15 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। वहीं घटनास्थल से बरामद बंदूक व खोखे को निस्तारित करने का आदेश दिया है।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को मिली जान से मारने की धमकी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को एक अज्ञात व्यक्ति से कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिली है, जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

अधिकारी ने बताया कि कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री चौधरी को बृहस्पतिवार को एक अज्ञात नंबर से धमकी भरा फोन आया, जिसके बाद उनकी सुरक्षा की तुरंत समीक्षा की गई।

पुलिस ने बताया कि चौधरी की ओर से तुगलक रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है और मामले की जांच जारी है। उसने बताया कि फोन के स्रोत का पता लगाने और फोन करने वाले की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बंगाल के अधिकारियों के तबादलों को हाईकोर्ट में चुनौती, चुनाव आयोग की शक्तियों पर उठे सवाल

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ अधिकारियों के तबादलों का मामला अब कलकत्ता उच्च न्यायालय पहुंच गया है। एक याचिका में चुनाव आयोग के उस अधिकार को चुनौती दी गयी है, जिसके तहत अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी के लिए अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है।वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने न्यायालय का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि आयोग के पास इस तरह से भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों को राज्य से बाहर भेजने का अधिकार नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि इससे राज्य प्रशासन के सामान्य कामकाज पर असर पड़ता है। इस मामले में तृणमूल कांग्रेस के वकील अर्क नाग जनहित याचिका दाखिल करेंगे। न्यायालय से याचिका दाखिल करने की अनुमति देने की मांग करते हुए श्री बनर्जी ने तबादला आदेशों पर रोक लगाने का आग्रह किया है। मुख्य न्यायाधीश सुजोय पाल और न्यायमूर्ति पार्थसारथी सेन की खंडपीठ ने याचिका दायर करने की अनुमति दे दी है और मामले की सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की है। यह विवाद चुनाव आयोग द्वारा रविवार आधी रात से लेकर गुरुवार तक किये गये बड़े प्रशासनिक फेरबदल के बाद उत्पन्न हुआ है। कोलकाता पुलिस आयुक्त समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है। कई जिलों के जिलाधिकारियों का भी तबादला किया गया है और नये अधिकारियों की नियुक्ति की गयी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि हटाये गये अधिकारियों को फिलहाल पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। इनमें से कई अधिकारियों को अन्य राज्यों में चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में पहले ही प्रतिनियुक्त किया गया है। तबादलों की इस कार्रवाई पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जतायी है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आयोग के फैसलों पर सवाल उठाये हैं। अब इस मामले के उच्च न्यायालय में पहुंच जाने के बाद चुनाव आयोग की शक्तियों और अधिकार क्षेत्र की सीमा का कानूनी परीक्षण होने की संभावना है।

जंग का असर: भारत में प्रीमियम पेट्रोल 2 रुपए प्रति लीटर हुआ महंगा

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार से प्रीमियम पेट्रोल के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिये हैं, जबकि खुदरा (सामान्य) पेट्रोल और किसी भी तरह के डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली के इरविन रोड सर्विस स्टेशन पर आज से प्रीमियम पेट्रोल %एक्सपी95% की कीमत 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गयी है।पहले इसकी कीमत 99.89 रुपये प्रति लीटर थी। सामान्य पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। प्रीमियम डीजल एक्सजी की कीमत भी 91.49 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रखी गयी है। इंडियन ऑयल के अलावा दूसरी कंपनियों भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी कीमतों में लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की है।

लंबे समय बाद किसी भी तरह के पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे इसके दाम बढ़े हैं। बढ़ी लागत की भरपाई के लिए तेल विपणन कंपनियों में प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ाये हैं।

जिले भर में मुल्क- कौम की तरक्की की दुआ में उठे लाखों हाथ

» बीपीएस न्यूज

रामपुर। ईद उल फितर की नमाज के बाद जिले भर में मुल्क-कौम की तरक्की व अमन के लिए लाखों हाथ बारगाहे खुदाबंदी में उठे। शहर की ईदगाह में शहरकाजी सैयद खुशनूद मियां के बेटे सैयद अनस मियां ने नमाज पढ़ाई। उन्होंने कहा कि नबी ए करीम की उम्मत में पैदा किया हम सच्चे उम्मती बनने की कोशिश करें। जामा मस्जिद समेत जिले भर की तमाम ईदगाहों और मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद और ईदगाह पर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा। शाहबाद गेट स्थित ईदगाह में शनिवार की सुबह 7:30 बजे नमाज अदा की गई। शहर की ईदगाह में शहरकाजी सैयद खुशनूद मियां के बेटे सैयद अनस मियां ने नमाज अदा कराई। शहरकाजी खुशनूद मियां ने कहा कि जिन्होंने रोजे नहीं रखे वह अल्लाह से माफी मांगें। रोजों का बदला अल्लाह खुद अता फरमाएगा। उन्होंने रमजान के बाद भी मस्जिदों को आबाद रखने की अपील की। कहा कि जिस तरह रमजान में मस्जिदों में नमाजियों की संख्या अधिक रहती है, इसी तरह पूरे साल अल्लाह की इबादत करें। नमाज के बाद ईदगाह में सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने समेत लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। ईदगाह पर भाजपा नेता भाषण भूषण गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष निक्कू पंडित, पालिकाध्यक्ष पति मामून शाह खां ने शिविरों का आयोजन किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य मुस्तफा हुसैन समेत तमाम लोगों से ईद पर गले मिले।ईदगाह में ईद की नमाज के दौरान शहरकाजी खुशनूद मियां ने कहा कि उन्हें 42 साल पहले हजरत खतीबे आजम ने शहरकाजी बनाया था। 74 साल से वह खिदमत कर रहे हैं। बोले कि अब बुजुर्ग हो गया हूं। उन्होंने बेटे अनस मियां को कायम मुकाम शहरकाजी मुकर्रर कर दिया। सैयद अनस मियां ने शनिवार को ईदगाह में पहली बार ईद की नमाज पढ़ाई, खुतबा दिया और दुआ कराई। ईद की नमाज से पहले रामपुर को नया शहरकाजी मिल गया है।संविधान साहित्य पार्क और हनुमान वाटिका- बुद्धि विहार में 16 करोड़ रुपये की लागत से संविधान साहित्य पार्क का निर्माण।

नाभि में अलग-अलग तरह के तेल लगाने से कौन सी समस्याएं होती हैं हल

नाभि हमारे शरीर का सेंटर पॉइंट होता है। यह शरीर के बहुत जरूरी और सेंसिटिव हिस्सों में से एक होती है। क्योंकि नाभि में आकर शरीर की कई नसें मिलती हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद में नाभि को साफ रखने से लेकर इसकी केयर करने तक के बारे में हर चीज विस्तार से बताई गई है। क्या आप जानते हैं कि नाभि में अलग-अलग तरह के तेल लगाने से आपकी कौन-कौन सी समस्याएं हल हो सकती हैं।बता दें कि नाभि में तेल लगाने के बाद छोड़ना नहीं होता है। बल्कि हल्के हाथों से मसाज भी करना होता है। इससे आपको फायदा मिलता है।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि नाभि में कौन-कौन से तेल लगाने से किन-किस समस्याओं से निजात मिलती है।

नीम का तेल

आयुर्वेद में कई सारी बीमारियों को दूर करने में नीम का महत्वपूर्ण स्थान है। नाभि में नीम का तेल लगा सकते हैं। नीम के तेल में विटामिन ई, फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। साथ ही नीम के तेल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं। इसको नाभि में लगाने से स्किन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

बादाम का तेल

आपने भी बादाम तेल के काफी फायदे सुने होंगे। खासतौर पर बादाम का तेल बालों और स्किन के लिए फायदेमंद होता है।

इसमें विटामिन ई के अलावा विटामिन ए, प्रोटीन, विटामिन, फैटी एसिड और जिंक भी पाया जाता है। ऐसे में आप बादाम तेल को अपनी नाभि पर लगाएं। इससे स्किन और बालों से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक कम हो सकती हैं।

नारियल का तेल

कई मायनों में नारियल तेल फायदेमंद माना जाता है। इसको बालों और स्किन पर भी लगाया जाता है। नारियल तेल में विटामिन ई, विटामिन ए और कई तरह के मिनरल्स पाए जाते हैं। ऐसे में नाभि पर नारियल तेल लगाने से आपकी स्किन में निखार आता है और स्किन खूबसूरत बनती है।

तिल का तेल

तिल के तेल की तासीर गर्म होती है। ऐसे में आप सर्दियों में अपनी नाभि में तिल का तेल भी लगा सकते हैं। नाभि में तिल का तेल लगाने से शरीर को गर्माहट मिलती है और इससे आपके बालों को भी मजबूती मिलती है।

सरसों का तेल

आप सभी ने सरसों के तेल के खूब फायदे सुने होंगे।

इसको खाने में खूब इस्तेमाल किया जाता है।

जब आप नाभि पर सरसों का तेल लगाते हैं, तो यह आपकी स्किन और बालों को हेल्दी बनाता है। सरसों के तेल की तासीर गर्म होती है, ऐसे में इसको लगाने से आपके शरीर में गर्माहट बनी रहती है।

म्यूज़िक वीडियो 'तेरे बिना क्या है जीना' रिलीज़

महाराजा म्यूज़िक कंपनी ने अपना नया रोमांटिक म्यूज़िक वीडियो 'तेरे बिना क्या है जीना' रिलीज़ कर दिया है। इस गाने को अश्विन महाराज ने प्रस्तुत किया है और इसके निर्माता व निर्देशक भी अश्विन महाराज हैं। महाराजा म्यूज़िक के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध इस म्यूज़िक वीडियो में टर्सी एम. फर्नांडिस और अक्षय सेठी नज़र आ रहे हैं।

आनंद भकुनी ने सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है। गाने की सिनेमैटोग्राफी नवीन कुमार ने की है, जबकि एडिट और डीआई सगीर चुडेसरा ने किया है। गाने को शंकर दास ने अपनी आवाज़ दी है। इसका संगीत और बोल सतीश त्रिपाठी ने तैयार किया है।

प्रस्तुति - काली दास पाण्डेय

बढ़ाएं अपनी इम्यूनिटी, सर्दी-जुकाम और अन्य बड़ी बीमारियां रहेंगी दूर

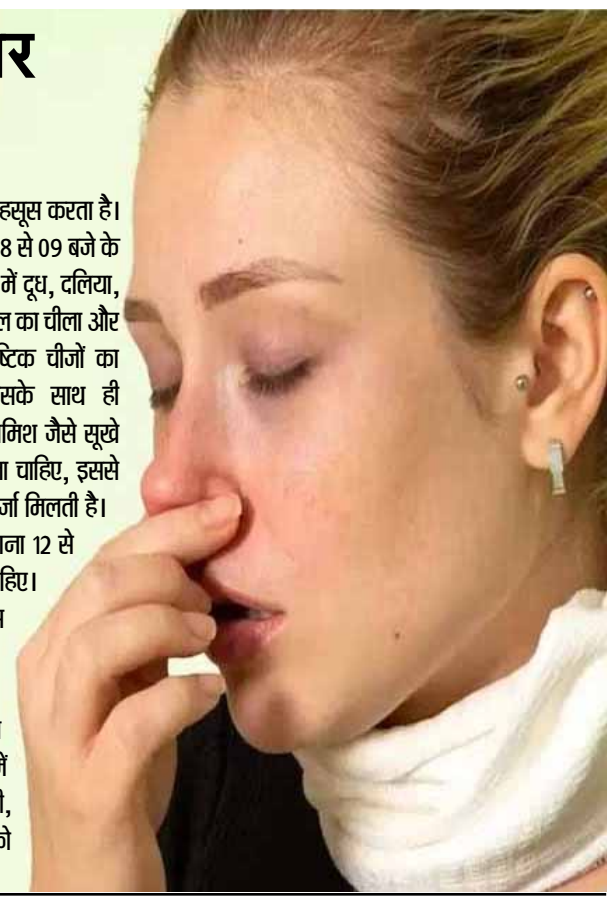

पहले के समय में लोग कम बीमार पड़ते थे और शरीर में ताकत होती थी। उन लोगों की इम्यूनिटी मजबूत रहती थी और मानसिक रूप से भी लोग अधिक हेल्दी नजर आते थे। लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्थिति बिल्कुल उलट हो गई है। कम उम्र से ही लोगों को बीपी, पेट की बीमारी, डायबिटीज, तनाव और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से घिरे रहते हैं। खासकर सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार और स्किन संबंधी परेशानियां तेजी से बढ़ जाती हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो इन बीमारियों के होने की सबसे बड़ी वजह हमारी बिगड़ती लाइफस्टाइल है। लेकिन आयुर्वेद में स्वस्थ जीवन के लिए सही लाइफस्टाइल फॉलो करना बेहद जरूरी है। सुबह जागने से लेकर रात में सोने तक का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए आपको उन आयुर्वेदिक आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका सर्दियों में पालन करने से आप बड़ी से बड़ी बीमारियों से बच सकते हैं।आयुर्वेद में सुबह जागने का सबसे अच्छा समय ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह 04 से 04:30 बजे माना गया है। लेकिन सूर्योदय से पहले किसी भी हाल में बिस्तर छोड़ दें। नैतिक क्रियाएं करने के बाद धूप निकलने पर योग, हल्का व्यायाम और प्राणायाम आदि करना सर्दियों में बेहद फायदेमंद होता है। ऐसा करने से शरीर में गर्माहट बनी रहती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है।सर्दियों के मौसम में गुनगुने पानी का इस्तेमाल करना चाहिए। आयुर्वेद में नहाने से पहले तिल या फिर सरसों के तेल से मालिश करना लाभकारी माना जाता है। इससे स्किन का रूखापन, जोड़ों के दर्द और थकान से राहत मिलती है। मालिश करने के बाद गुनगुने पानी से नहाने से शरीर तरोताजा महसूस करता है।

वहीं सुबह का नाश्ता 08 से 09 बजे के बीच करना चाहिए। सर्दियों में दूध, दलिया, घी लगी रोटी, पोहा, मूंग दाल का चीला और उपमा जैसी गर्म और पौष्टिक चीजों का सेवन करना चाहिए। इसके साथ ही अखरोट, बादाम और किशमिश जैसे सूखे मेवे डाइट में शामिल करना चाहिए, इससे आपके शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है।

आपको दोपहर का खाना 12 से 1 बजे के बीच करना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक इस समय पाचन अग्नि समय सबसे मजबूत होती है। दोपहर में घर का बना खाना खाएं। दोपहर के खाने में दाल, मौसमी सब्जियां, रोटी, चावल, घी और छाछ को शामिल करना चाहिए।

बालाजी टेलीफिल्म्स के बढ़ते कदम, टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में 'हुनर' के साथ एकता कपूर ने ली एंट्री

एकता कपूर के द्वारा संचालित बालाजी टेलीफिल्म्स बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के मशहूर एक्टर्स और क्रिएटर्स को एक साथ एक मंच पर खड़ा करने के उद्देश्य से अपने नए वेंचर के बारे में अपना विजन को सामने रखते हुए 'हुनर' को लॉन्च करने की घोषणा की है। 'हुनर' एक नई टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी है, जो कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने व परफॉर्म करने के कल्चर को मजबूत करने के लिए समर्पित है। यह उन्हें एक ऐसा प्लेटफॉर्म देगा जो न केवल उनके आर्टिस्टिक ग्रोथ में मदद करेगा, बल्कि उन्हें अच्छे मौके दिलाने में भी साथ देगा। टैलेंट को तराशने और यादगार कहानियाँ बनाने की बालाजी की पुरानी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, इस पहल को कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर रिप्रेजेंटेशन और एक ऐसा माहौल देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जहाँ क्रिएटिविटी को बढ़ावा मिल सके।? इस शानदार लॉन्च का जश्न मनाने के लिए, मुंबई स्थित फेयरमोंट होटल में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' आयोजित की जाएगी। इस ग्लैमरस शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन के दिग्गज सितारे, इंडस्ट्री लीडर्स, क्रिएटर्स और मीडिया जगत के लोग शामिल होंगे, जो कंपनी की इस भव्य शुरुआत के गवाह बनेंगे।

?एकता कपूर हमेशा से नए टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने इंडस्ट्री को आज के दौर में कई मशहूर चेहरे दिए हैं और 'हुनर' के साथ वह अपने इसी विजन को और विस्तार दे रही हैं। 'हुनर' के जरिए बालाजी टेलीफिल्म्स एंटरटेनमेंट की दुनिया में अपनी पकड़ और मज़बूत कर रहा है, जो कहानी कहने के अपने जुनून के साथ-साथ कलाकारों के बढ़ने, जुड़ने और चमकने के लिए एक खास जगह तैयार कर रहा है। 'हुनर' की विस्तृत चर्चा करते हुए एकता कपूर कहती हैं- फबालाजी में हमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि टैलेंट तभी निखरता है जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। 'हुनर' के जरिए हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं जहाँ कलाकारों को न सिर्फ रिप्रेजेंट किया जाए, बल्कि उन्हें सही मायनों में समझा भी जाए। हमारा मकसद उन्हें सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और लंबे समय तक उनके विकास में साथ देना है। यह एक ऐसा सफर बनाने के बारे में है जहाँ टैलेंट को आगे बढ़ने, एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने का मौका मिले।

कानून व्यवस्था से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक हर मोर्चे पर हुआ बदलाव:राकेश सचान

नवनिर्माण के 9 वर्ष पर सरसैया घाट में प्रदर्शनी का शुभारंभ, योजनाओं के लाभार्थी भी हुए सम्मानित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर निर्वाचन कार्यालय परिसर में 'नवनिर्माण के 9 वर्ष' थीम पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सरोज कुरील एवं जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर बीते 9 वर्षों में प्रदेश और जनपद में हुए विकास कार्यों एवं योजनाओं की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया।

प्रदर्शनी में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में प्रदेश में हुए बदलाव और विकास यात्रा को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। इसके अतिरिक्त बाल विकास एवं महिला कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि एवं उद्यान, उद्योग एवं खादी ग्रामोद्योग, पीएम स्वनिधि एवं प्रधानमंत्री आवास, पीएम सूर्यघर योजना, श्रम, पर्यटन तथा ओडीओपी सहित अन्य विभागों ने अपने-अपने स्टॉल के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी।

इसके उपरांत सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान की अध्यक्षता में आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश एवं जनपद में विगत 9 वर्षों में हुई प्रगति की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने अभूतपूर्व विकास किया है। वर्ष 2017 के पूर्व और वर्तमान समय के उत्तर प्रदेश में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है, जो आधारभूत संरचना, कानून व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के रूप में परिलक्षित हो रहा है। उन्होंने बताया कि एक्सप्रेस-वे, हाईवे और ग्रामीण सड़कों के निर्माण से कनेक्टिविटी में बड़ा सुधार हुआ है, वहीं एयर कनेक्टिविटी में तेजी आई है और जेवर एयरपोर्ट शीघ्र प्रारंभ होने वाला है। कानपुर से भी अब कई उड़ानें संचालित हो रही हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और भीमसेन में विकसित औद्योगिक केंद्र से औद्योगिक विकास को नई गति मिल रही है।

उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था में सुधार के चलते प्रदेश देश में बेहतर स्थिति में आया है। विद्युत आपूर्ति में सुधार करते हुए 24, 22 और 18 घंटे की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश का बजट वर्ष 2016 के लगभग 3.99 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 9.12 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जिससे विकास कार्यों को गति मिली है। शिक्षा के क्षेत्र में कायाकल्प योजना और स्कूल चलो अभियान से सुधार हुआ है, वहीं सीसीटीवी आधारित नकलविहीन परीक्षाएं गुणवत्ता बढ़ा रही हैं। ÷हर घर जल योजना÷ के तहत अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुका है। रोजगार के क्षेत्र में 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है।

कानपुर के विकास की भी रखी विस्तृत तस्वीर

कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने जनपद कानपुर नगर की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2017 के बाद विकास को नई गति मिली है। अब तक 1503.89 करोड़ रुपये की लागत से 252 परियोजनाएं पूर्ण कर जनोपयोगी बनाई जा चुकी हैं। घाटमपुर तापीय परियोजना और पनकी विस्तार जैसी ऊर्जा परियोजनाएं नई पहचान बना रही हैं, जबकि किदवई नगरङ्कगोविंद नगर 220 केवी उपकेंद्र तैयार हो चुका है। कानपुर मेट्रो के अंतर्गत आईआईटी से कानपुर सेंट्रल तक संचालन शुरू हो चुका है और शेष कार्य तेजी से जारी है। मेट्रो कानपुर की नई पहचान है।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत 25,335 सोलर संयंत्रों से 76 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। रिंग रोड, एसटीपी अपग्रेडेशन और चुन्नीगंज कन्वेंशन सेंटर जैसी परियोजनाएं शहर की नई पहचान बना रही हैं। गोविंद नगर का आधुनिक पराग डेयरी प्लांट अप्रैल से शुरू होकर प्रतिदिन चार लाख लीटर दूध प्रसंस्करण करेगा।डिफेंस कॉरिडोर, स्पोर्ट्स हब और ग्रीन पार्क की नई गैलरी भी प्रमुख उपलब्धियां हैं। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से लाभ सीधे लोगों तक पहुंचा है और नून नदी पुनरुद्धार जैसे कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

लाभार्थियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया गया। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत सुमन लता शर्मा को टूल किट प्रदान की गई, जबकि मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत कृति सिंह, प्रगति अवस्थी, हर्ष, ललित, सलमान खान, रवि सिंह, मीला कुशवाहा एवं आलोक सिंह को स्वरोजगार हेतु ऋण स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए गए। उत्कृष्ट कार्य के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वंदना सविता एवं बिंदु देवी को प्रशस्ति पत्र दिया गया। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत कई लाभार्थियों को लैपटॉप सूची में शामिल किया गया।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है और उत्तर प्रदेश ÷संकल्प से सिद्धि-सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि÷ के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है। विधायक नीलिमा कटियार एवं विधायक सरोज कुरील ने भी लाभार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान सूचना विभाग द्वारा एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें प्रदेश के समग्र विकास को दृश्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर एडीएम सिटी राजेश कुमार, पीडी आलोक कुमार सिंह, तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

डीएम की अपील: अफवाहों पर ध्यान न दें, घरेलू एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं

कानपुर। जनपद में घरेलू एलपीजी गैस की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और उपभोक्ताओं को बुकिंग के क्रम के अनुसार नियमित रूप से सिलेंडरों की होम डिलीवरी की जा रही है। प्रशासन द्वारा गैस एजेंसियों की सतत निगरानी की जा रही है। जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में 11 से 15 मार्च के बीच गैस सिलेंडरों की बुकिंग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं द्वारा एक साथ बुकिंग कराए जाने के कारण बुकिंग का आंकड़ा अधिक दिखाई दे रहा है, जबकि सिलेंडरों की आपूर्ति पिछले वर्ष की भांति ही है। पिछले वर्ष की तुलना में सिलेंडर आपूर्ति में कमी नहीं है।जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि 11 से 15 मार्च 2025 के बीच जनपद में कुल 1,76,722 गैस सिलेंडरों की बुकिंग हुई थी, जबकि इसी अवधि में वर्ष 2026 में यह संख्या बढ़कर 4,90,658 हो गई। यानी पांच दिनों में बुकिंग लगभग तीन गुना बढ़ गई। इस दौरान 14 मार्च को 1,01,628 और 15 मार्च को 1,02,526 सिलेंडरों की बुकिंग दर्ज की गई, जो सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक है। उन्होंने बताया कि सिलेंडरों की डिलीवरी लगभग सामान्य स्तर पर है। 11 मार्च 2025 को 20,224 सिलेंडरों की डिलीवरी हुई थी, जबकि 11 मार्च 2026 को 17,454 सिलेंडर वितरित किए गए। 12 मार्च 2025 को 28,999 के मुकाबले 12 मार्च 2026 को 19,353 सिलेंडर दिए गए। 13 मार्च 2025 को 30,977 सिलेंडर वितरित हुए थे, जबकि 13 मार्च 2026 को 26,883 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। 14 मार्च 2025 को 18,200 के मुकाबले 14 मार्च 2026 को 28,457 सिलेंडर वितरित किए गए। इसी प्रकार 15 मार्च 2025 को 17,100 सिलेंडरों की डिलीवरी हुई थी, जबकि 15 मार्च 2026 को 25,126 सिलेंडर वितरित किए गए।कुल मिलाकर 11 से 15 मार्च 2025 के बीच 1,15,500 और इसी अवधि में 2026 में 1,17,273 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई है।बुकिंग के क्रम से हो रही होम डिलीवरी, एजेंसियों की निगरानी जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनियों के माध्यम से नियमित रूप से सिलेंडरों की आपूर्ति की जा रही है। प्रशासन द्वारा गैस एजेंसियों की लगातार निगरानी की जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिसकी बुकिंग पहले है उसे पहले सिलेंडर मिले। बुकिंग के क्रम के अनुसार ही उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी दी जा रही है।डीएम की अपील- अफवाहों पर ध्यान न दें, पैनिक बुकिंग से बचें

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जनपदवासियों से अपील की है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडर आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक पैनिक बुकिंग से बचें। उन्होंने कहा कि जनपद में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है और सभी उपभोक्ताओं को नियमानुसार सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

आजादी के बाद अब पहली बार मिलेगी जलभराव से निजात, लोहारन भट्टा व राजापुरवा क्षेत्र के 20 हजार लोग थे प्रभावित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर नगर निगम के वार्ड 64 के अंतर्गत राजाजीपुरवा व लोहरनभट्टा में आजादी के बाद अब पहली बार सीवर लाइन पड़ने जा रही है। इसके लिए नगर निगम करीब 90 लाख रुपये खर्च करेगा। सीवर लाइन डालने के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो गई है। अप्रैल माह से यहां पर सीवर लाइन डालने का कार्य शुरू हो जाएगा। सीवर लाइन पड़ने के बाद यहां रहने वाले हजारों लोगों को जलभराव, बजबजाती नालियों व गंदगी से छुटकारा मिलेगा।

भारत देश को आजाद हुए 78 वर्ष बीत गए है, लेकिन कानपुर नगर निगम के वार्ड 64 के अंतर्गत आने वाले राजापुरवा व लोहरनभट्टा मलिन बस्ती में सीवर लाइन की सुविधा नहीं है। जबकि यहां पर 20 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। शिकायत करने पर यहां के लोगों को सिर्फ आश्वासन दे दिया जाता है, लेकिन वर्तमान पार्षद नीरज बाजपेयी ने क्षेत्र की लोगों की समस्या को समझते हुए नगर निगम सदन में इस मुद्दे को प्रमुखता से रखा था, जिसका संज्ञान लेकर नगर निगम ने यहां पर करीब 90 लाख रुपये से आठ सौ मीटर लंबी सीवर लाइन डालने की संस्तुति दे दी है।

संस्तुति मिलने के बाद यहां पर सीवर लाइन डालने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हुई, जिसमे कृष्णा कंट्रक्शन एंड सप्लायर को यहां पर सीवर लाइन डालने का टेंडर मिला है। निर्माण कंपनी राजीपुरवा व लोहरनभट्टा में जलभराव की समस्या को समाप्त करने के लिए फंड ऑफिस चौराहा से जेके मंदिर चौकी तक 500 मीटर तक सीवर लाइन डालने का काम करेगी। इसके साथ ही पहाड़ी वाली गली से तलाब तक तीन सौ मीटर तक सीवर लाइन डालेगी।

लोहरनभट्टा व राजाजीपुरवा समेत क्षेत्र के कई हातों का गंदा पानी वर्तमान में यहां पर बने तालाब में एकत्र होता है। वर्षों से यहां पर सीवर लाइन नहीं पड़ने की वजह से यह तालाब अब पूरी तरह से भर गया है। गंदे पानी के निकासी की सुविधा नहीं होने पर यहां की नालियां गंदगी से बजबजा रही है और कीड़े व मच्छर पनप रहे हैं। वर्तमान में इस तालाब की स्थिति ऐसी तब है, जब पूर्व में इसकी सफाई हो चुकी है। यहां पर आम दिनों में कई बार गलियों में गंदा पानी भर जाता है और बारिश में तो इन क्षेत्र का गंदा पानी लोगों के घरों तक घुस जाता है।

पार्षद नीरज बाजपेई ने बताया कि बस्ती का तलाब 12 महीने खासतौर पर बरसात में लबालब भर जाता है, जिसके कारण बस्ती की गलियों व घरों में गंदा पानी भरने से कई प्रकार की बीमारियों का भी सामना करना पड़ता है। इसलिए आरसीसी सीवर लाइन के संबंध में नगर निगम सदन में प्रस्ताव रखा था, ताकि यहां के हजारों लोगों को जलभराव की समस्या से जूझना न पड़े। प्रस्ताव को पास कर दिया गया है, क्षेत्र में सीवर लाइन डालने का कार्य अप्रैल माह से शुरू होगा, निर्माण के लिए टेंडर हो चुका है।

गैस एजेंसी की लापरवाही पर की गयी कार्रवाई

» पुष्पा गैस एजेंसी के लाइसेंस निलंबन की संस्तुति की गयी

» एजेंसी द्वारा उपभोक्ताओं को समय से गैस उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी, जांच में भी नहीं किया गया सहयोग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) राजेश कुमार ने बताया कि जनपद में घरेलू गैस आपूर्ति को लेकर प्राप्त हो रही शिकायतों के आधार पर पुष्पा गैस एजेंसी, 12/480 खलासी लाइन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं को समय से गैस उपलब्ध कराना एजेंसियों की जिम्मेदारी है और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिला पूर्ति कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम के लैंडलाइन नंबर 0512-2988763 एवं व्हाट्सएप नंबर 6394616122 पर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि ऑनलाइन बुकिंग के बावजूद उपभोक्ताओं को समय से घरेलू गैस की डिलीवरी नहीं की जा रही है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उनके निर्देश पर जिला पूर्ति अधिकारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी कर्नलगंज एवं नवाबगंज तथा पूर्ति निरीक्षक कोतवाली व कर्नलगंज की संयुक्त टीम द्वारा उक्त एजेंसी के शोरूम एवं कार्यालय पर औचक छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की भीड़ मौजूद रही, जो गैस न मिलने से आक्रोशित थे। जांच के समय एजेंसी का प्रोपराइटर एवं मैनेजर दोनों अनुपस्थित पाए गए। मौके पर मौजूद कर्मचारी जावर अली एवं सलोनी (पुत्री मनोज पुरी) मिले, जिन्होंने स्वयं को एजेंसी पर कार्यरत बताया, लेकिन गैस स्टॉक, आवंटन एवं वितरण से संबंधित अभिलेख मांगने पर उपलब्ध नहीं करा सके। टीम द्वारा मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं के बयान भी दर्ज किए गए, जिनमें समय से गैस आपूर्ति न होने की पुष्टि हुई।

अपर जिलाधिकारी (नागरिक आपूर्ति) ने बताया कि जांच टीम जब मेनावती मार्ग स्थित एजेंसी के गैस गोदाम पहुंची तो वह भी बंद मिला। प्रारंभिक जांच एवं उपभोक्ताओं के लिखित बयानों से स्पष्ट हुआ कि एजेंसी द्वारा न केवल उपभोक्ताओं को समय से गैस उपलब्ध कराई जा रही थी, बल्कि जांच में भी सहयोग नहीं किया गया।

इन गंभीर अनियमितताओं को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, लखनऊ को एजेंसी के निलंबन की संस्तुति भेज दी गई है। उन्होंने कहा कि जनपद में गैस आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कंट्रोल रूम में सिलेंडर आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों में आई कमी

जनपद में एलपीजी गैस आपूर्ति की स्थिति सामान्य बनी हुई है और शिकायतों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। 18 मार्च 2026 को जिला पूर्ति कार्यालय के कंट्रोल रूम पर कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 8 का तत्काल निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष पर कार्रवाई जारी है।कॉल सेंटर के माध्यम से प्राप्त शिकायतों में अधिकांश समस्याएं बुकिंग एवं डिलीवरी से संबंधित रहीं, जिनका समाधान संबंधित गैस एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर कराया गया। इसके साथ ही पूर्व में प्राप्त शिकायतों में से 38 मामलों का भी निस्तारण किया गया, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिली है।

जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि जनपद में गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही गैस सिलेंडर की बुकिंग करें। प्रशासन द्वारा गैस आपूर्ति की सतत निगरानी की जा रही है और सभी एजेंसियों को समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भूमाफिया पर चला बुलडोजर, चारागाह की 10 करोड़ की जमीन हुई कब्जामुक्त, भूमाफियाओं को चेतावनी

कार्रवाई के दौरान किया गया विरोध, होटल मैनेजर भेजा गया जेल

» बीपीएस न्यूज

घाटमपुर, कानपुर नगर। जिलाधिकारी के निर्देशन में भूमाफियाओं के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत मंगलवार को तहसील प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नवेली पावर प्लांट के सामने कानपुरङ्कहमीरपुर हाईवे पर स्थित चारागाह की बेशकीमती जमीन को बुलडोजर चलाकर कब्जामुक्त करा दिया। करीब 56 बिस्वा (0.5600 हेक्टेयर) पशुचर भूमि, जिसकी बाजार कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये आंकी गई है, को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया।

कार्रवाई उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई। मौके पर तहसीलदार अंकिता पाठक, नायब तहसीलदार धर्मेंद्र चौधरी, राजस्व निरीक्षक इंद्र कुमार तथा लेखपाल शीलेश भारती और रविंद्र तिवारी सहित राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना सजेती की पुलिस फोर्स चौकी प्रभारी नैवेली अनुराग सिंह के नेतृत्व में तैनात रही।

होटल बनाकर चारागाह की जमीन पर किया गया कब्जा

राजस्व अभिलेखों के अनुसार गाटा संख्या 349 ख (0.3826 हेक्टेयर) तथा गाटा संख्या 350 (1.6800 हेक्टेयर) पशुचर भूमि के रूप में दर्ज है। आरोप है कि कोयला नगर निवासी राजवीर सिंह पुत्र संतोष सिंह और उनके परिवार के लोगों ने चारागाह की भूमि के करीब 56 बिस्वा हिस्से पर अवैध कब्जा कर लिया था।

कब्जेदारों ने यहां कालिंदी होटल के नाम से भवन बनाकर होटल लॉन, सड़क और अन्य जनसुविधाएं विकसित कर दी थीं। चारागाह की जमीन को खुदवाकर उसका उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था।

चेतावनी के बावजूद जारी रहा अवैध उपयोग

राजस्व विभाग ने पहले भी निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए थे, लेकिन इसके बावजूद कब्जेदारों ने मनमाने ढंग से निर्माण कर सार्वजनिक उपयोग की भूमि को निजी व्यावसायिक उपयोग में ले लिया। शनिवार को भ्रमण के दौरान उपजिलाधिकारी घाटमपुर ने होटल संचालक को अवैध कब्जा हटाने की चेतावनी दी थी, लेकिन उसने स्वेच्छा से कब्जा हटाने में रुचि नहीं दिखाई।

सोमवार को भी राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर होटल मालिक की उपस्थिति में कब्जा हटाने को कहा, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद मंगलवार सुबह राजस्व और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बुलडोजर से अवैध निर्माण हटाकर भूमि को कब्जामुक्त करा दिया।

कार्रवाई के दौरान विरोध, होटल मैनेजर भेजा गया जेल

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान होटल प्रबंधन की ओर से विरोध किया गया। मौके पर प्रतिरोध कर रहे होटल मैनेजर को पुलिस ने हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। कब्जेदारों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

कब्जामुक्त भूमि पर तत्काल चारा बुआई

कार्रवाई के बाद ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव की मौजूदगी में कब्जामुक्त चारागाह भूमि पर सूचना बोर्ड लगाकर इसे सुरक्षित किया गया। मौके पर ही हरे चारे की बुआई कराई गई, जिससे यह भूमि गौवंशों के चारे के लिए उपयोग में लाई जा सके।

भूमाफियाओं को चेतावनी

उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने कहा कि शासन की मंशा और जिलाधिकारी के स्पष्ट निर्देश हैं कि सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित शासकीय भूमि को भूमाफियाओं और लैंड ग्रैबर्स के कब्जे से मुक्त कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ऐसे लोगों के लिए चेतावनी है कि वे स्वेच्छा से शासकीय भूमि खाली कर दें, अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऐसी भूमि को सार्वजनिक उपयोग तथा जनहित से जुड़ी शासकीय परियोजनाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा।

महिला को इंप्रेस करने के लिए रची लूट की साजिश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में महिला का आकर्षित करने के इरादे से स्वयं से हुयी लूट का ड्रामा करने वाले शख्स को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 20 मार्च की सुबह करीब पांच बजे थाना सीसामऊ क्षेत्र में मेरठ निवासी अन्तिम सोनी ने सूचना दी थी कि रेलवे स्टेशन से टेंपो में बैठते समय अज्ञात बदमाशों ने उसके साथ मारपीट कर करीब 30 लाख रुपये नकद और 8 लाख रुपये के जेवर लूट लिए। सूचना पर पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजकर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सर्विलांस, साइबर, स्वाट और थाना रायपुरवा पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की जांच की गई। जांच में वादी द्वारा बताए गए घटनास्थल और वास्तविक लोकेशन में अंतर पाया गया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसकी लोकेशन पनकी पड़ाव क्षेत्र में मिली। पुलिस ने शिकायतकर्ता से गहन पूछताछ की जिसमें खुलासा हुआ कि शिकायतकर्ता ने पूरी लूट की ।

काकादेव में अवैध गैस रिफिलिंग पकड़ी

कठारा में मिष्ठान दुकान पर घरेलू सिलेंडरों का इस्तेमाल, दो एफआईआर

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। घरेलू गैस के अवैध भंडारण और रिफिलिंग के खिलाफ शुक्रवार को प्रशासन ने दो स्थानों पर छापेमारी कर कार्रवाई की। काकादेव में रिपेयरिंग की दुकान पर गैस रिफिलिंग करते हुए सामग्री बरामद हुई, जबकि बिधनू के कठारा स्थित मिष्ठान प्रतिष्ठान पर घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पकड़ा गया। दोनों मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराने की संस्तुति की गई है।काकादेव के चंदेल चौराहा के पास अजन्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एंड रिपेयरिंग सेंटर के बगल में सुबह 09:52 बजे छापेमारी के दौरान 14.2 किग्रा के कुल 8 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। इनमें 4 भारत गैस के खाली, 3 इंडेन के खाली और 1 आंशिक भरा सिलेंडर शामिल था। मौके से 3 रिफिलर यंत्र, पेचकस, नुकीली प्लास और इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी मिला, जिससे अवैध गैस भराई की पुष्टि हुई।मौके पर कलीम

अहमद सिद्दीकी निवासी रावतपुर मिले, जबकि दुकान यासीन अहमद के नाम बताई गई।

बरामद सिलेंडर व उपकरण कब्जे में लेकर सुपुर्दगी में दिए गए हैं। दोनों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की संस्तुति की गई है।इसी क्रम में अपराह्न 03:29 बजे बिधनू के ग्राम कठारा स्थित महक स्वीट हाउस में छापेमारी की गई, जहां 14.2 किग्रा के कुल 4 घरेलू गैस सिलेंडर पाए गए। इनमें 2 भरे और 2 खाली थे, जिनमें एक सिलेंडर चूल्हे से जुड़ा हुआ उपयोग में पाया गया।

इस मामले में भी आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर की संस्तुति की गई है। दोनों कार्रवाई पूर्ति निरीक्षक शुभ्रा वर्मा, पूजा सिंह एवं क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा की गई।

जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण और व्यावसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों में लगातार अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

एलपीजी गैस सहित अन्य समस्याओं के संबंध में कानपुर कैटर्स एशोसियेशन के प्रतिनिधिमंडल ने मंडलायुक्त को दिया ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर कैटर्स एशोसियेशन का एक प्रतिनिधिमंडल मंडलायुक्त कानपुर मंडल कानपुर से उनके कार्यालय सिविल लाइंस में कानपुर के कैटर्स के ऊपर आ रही एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी तथा अन्य समस्याओं के संबंध में ज्ञापन देकर मिला। वर्तमान समय में कानपुर नगर मैं एलपीजी गैस सिलेंडर की भारी कमी के कारण कैटरिंग उद्योग को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में विवाह एवं अन्य सामाजिक कार्यक्रमों का सीजन चल रहा है। जिसमें प्रतिदिन हजारों लोगों के भोजन की व्यवस्था कैटर्स द्वारा की जाती है। गैस सिलेंडर की उपलब्धता न होने के कारण कार्यक्रमों के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है। जिससे कैटर्स श्रमिकों तथा इससे जुड़े अनेक लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है।इस संबंध में कानपुर कैटर्स एशोसियेशन बिंदुओं पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता है। कई कार्यक्रमों में समय पर भोजन तैयार करने में गंभीर कठनाई आ रही है। कैटरिंग उद्योग से जुड़े हजारों कर्मचारियों और मजदूरों की आजीविका प्रभावित हो रही है। कार्यक्रम आयोजकों और कैटर्स के बीच असंतोष और विवाद की स्थिति बन रही है। जिससे कोई अप्रिय घटना भी हो सकती है। कैटरिंग उद्योग शहर की आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। संबंधित विभागों को निर्देशित कर एलपीजी गैस सिलेंडर की नियमित एवं पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

20 साल से लंबित नाली विवाद सुलझा, डीएम के निर्देश पर मौके पर कराई गई खुदाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। तहसील नरवल के ग्राम भूखनाही में करीब 20 वर्ष से लंबित नाली निर्माण का विवाद जिलाधिकारी के हस्तक्षेप से सुलझ गया। मामला जनता दर्शन में सामने आने के बाद जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी नरवल को तत्काल मौके पर पहुंचकर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे।ग्राम भूखनाही में ग्राम पंचायत की ओर से नाली निर्माण कार्य प्रस्तावित था, लेकिन कुछ ग्रामीणों द्वारा लगातार अवरोध उत्पन्न किए जाने के कारण यह कार्य वर्षों से ठप पड़ा हुआ था। इससे जल निकासी बाधित होने के साथ ग्रामीणों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस संबंध में ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर समाधान की मांग की थी।निर्देश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने त्वरित संज्ञान लेते हुए एसीपी चकेरी और खंड विकास अधिकारी सरसौल के साथ संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण किया। टीम ने दोनों पक्षों को मौके पर बुलाकर उनकी बात सुनी और विवाद के मूल कारणों का परीक्षण किया। जांच में पाया गया कि नाली के निर्माण की दिशा और स्थान को लेकर असहमति के चलते कार्य बाधित हो रहा था।

मौके पर प्रशासनिक टीम ने कड़ाई के साथ अवरोध को समाप्त कराया और दोनों पक्षों को ग्राम हित में सहमति के लिए तैयार किया। इसके बाद संयुक्त टीम की मौजूदगी में तत्काल नाली निर्माण कार्य शुरू कराया गया और पूरी नाली की खुदाई कराते हुए जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया गया।प्रशासन की सक्रिय पहल से दो दशक पुराना विवाद समाप्त होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और संतोष व्यक्त किया। दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति प्रदान किए जाने से भविष्य में विवाद की स्थिति भी समाप्त हो गई है।उपजिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर मामले का त्वरित निस्तारण कराया गया है। ग्राम हित को सर्वोपरि रखते हुए मौके पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनाकर नाली निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया है और आगे भी ऐसी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

ईएसआईसी अटेंडेंट के इकलौते बेटे ने फंदा लगा दी जान

» बीपीएस न्यूज

आजादनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय के अटेंडेंट परमेंद्र कुमार के इकलौते बेटे प्रेम (18) ने शनिवार सुबह काकादेव के पांडुनगर बीमा कॉलोनी में फंदा लगाकर जान दे दी। पिता के अनुसार घटना के वक्त उसकी मां वंदना देवी और बेटी प्रिया शादी में नवाबगंज के विष्णुपुरी गए हुए थे। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच कर युवक का मोबाइल कब्जे में लिया। परिजनों का कहना है कि वह लोग खुद हैरान हैं कि आखिर उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया। वहीं, पुलिस की जांच में सामने आया कि प्रेम हाईस्कूल का छात्र था। पढ़ाई को लेकर परिजनों ने डांट दिया था। इसके चलते उसने गलत कदम उठा लिया। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मंदिर में ड्यूटी पर तैनात सिपाही को सांड ने पटका, घायल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नवरात्र पर्व के मौके पर शनिवार सुबह करीब 8 बजे लक्ष्मीबाई नगर मोहल्ला स्थित प्राचीन माता सिंहवाहिनी मंदिर में ईद पर्व के मद्देनजर पुलिस दो दारोगा और एक महिला सिपाहियों सहित 5 लोगों की ड्यूटी थी। सुबह मंदिर में भीड़ को देखते हुए पुलिस टीम मुख्य द्वार के सामने नाला के समीप खड़े थे, तभी मरकहा छुट्टा साड़ ने कांस्टेबल रामनरेश को उठाकर पटक नाले में फेंक दिया। पास खड़ी महिला कांस्टेबल व अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग कर जान बचाई और जैसे-तैसे नाले में गिरे सिपाही को उठाकर बचाया। मामले में कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि मामूली रूप से कांस्टेबल को चोट आई है।

कच्चा माल महंगा, प्रिंटिंग-पैकेजिंग उद्योग में एक शिफ्ट बंद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अमेरिका, इस्राइल और ईरान युद्ध से अब प्रिंटिंग-पैकेजिंग इकाइयों पर संकट आ गया है। इकाइयों में एक शिफ्ट बंद कर दी गई है। अलग-अलग कच्चा माल 10-40 प्रतिशत तक महंगा हो गया है। शहर में 250 इकाइयां हैं जिनमें 5000-8000 लोगों को रोजगार मिलता है। इकाई संचालकों ने अन्य उद्योगों से मदद की अपील की है। कहा गया है कि ग्राहक लागत बढ़ने के आधार पर मूल्य बढ़ाएं और कच्चा माल आपूर्ति करने वाले दाम न बढ़ाएं। स्टाक भी न करें।

कानपुर प्रेस ओनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों और उद्यमियों की बैठक उद्योग कुंज स्थित कार्यालय पर हुई। बताया गया कि पिछले कुछ समय में डुप्लेक्स एवं अन्य पेपर बोर्ड की कीमतों में 10-12 प्रतिशत, लैमिनेशन फिल्म्स में 35-40 प्रतिशत और क्राफ्ट पेपर व प्रिंटिंग इंक में 10-12 प्रतिशत की तेजी आ गई है। कुछ एडहेसिव्स (चिपकाने वाले पदार्थ) और विशेष उपभोग्य सामग्रियों में भी 30-35 फीसदी तक की वृद्धि हुई है।

इससे उत्पादन लागत में वृद्धि हो रही है। उद्योग चलाना मुश्किल हो गया है। एक शिफ्ट बंद कर दी गई है। भाव और बढ़े तो उद्योगों में तालाबंदी की नौबत आ सकती है। उत्पादन 50 प्रतिशत रह गया है। बैठक में गोविंद भार्गव, सुब्रत लूथरा, अमरनाथ मेहरोत्रा, वैभव भार्गव, सोमनाथ मेहरोत्रा, राहुल भार्गव, संजीव चावला आदि मौजूद रहे।

प्रिंटिंग-पैकेजिंग उद्योग से जुड़े अन्य उद्योगों से वर्तमान परिस्थितियों की गंभीरता और वास्तविकता को समझने की अपील की गई है।

लागत में लगातार वृद्धि के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए सहयोग मांगा गया है।

लागत मूल्य बढ़ने के अनुपात में उत्पादों के दाम बढ़ाने के लिए कहा गया है ताकि उद्योग चल सकें। - अवधेश अवस्थी, अध्यक्ष, कानपुर प्रेस ओनर्स एसोसिएशन

बाबा बड़े दयालू है — ओम नमः शिवायः — बाबा बड़े दयालू है

बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स

हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।

(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)

24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर

महेंद्र पटेल
प्रबंधक

माधुरी पटेल
डायरेक्टर

पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें

9919772233 7985401046

पता:- प्लाट नं. 22 जरौली फेस-2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders

ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com

CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE

ORDER ONLINE ON amazon

7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401

Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Sahu Ji Maharaj Restaurant

Since:1992

राजसी ठाट देसी अंदाज़

638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)

M: 8303637506
9792526852

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।